RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:210 ता. 16 फरवरी 2023, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

मुंबई की रिहायशी बिल्डिंग में लगी आग, बुजुर्ग महिला की मौत

मुंबई। मुंबई की एक रिहायशी बिल्डिंग में आग लगने से एक बुजुर्ग महिला की मौत की खबर है। घटना मुंबई के कुर्ला इलाके की है, जहां की 13 मंजिला एक इमारत में बुधवार को आग लग गई। कुर्ला की कोहिनूर सिटी इलाके में स्थित इस बिल्डिंग में आग लगने से कई मंजिलों पर धुंआ भर गया, जिससे लोग बिल्डिंग में ही फंस गए। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने लोगों को छत पर ले जाकर इकट्ठा किया और वहां से उनका रेस्क्यू किया गया।

बिल्डिंग के चौथे फ्लोर से लेकर 10वें फ्लोर तक आग लगी थी। बिल्डिंग में आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल सका है। एक महिला की आग की चपेट में आने से मौत हुई है। महिला की पहचान शकुंतला रमानी के रूप में हुई है। महिला को रेस्क्यू टीम ने नजदीक के राजावाड़ी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आग की सूचना पाते ही फायर ब्रिगेड की कई टीमें चार फायर इंजन के साथ मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

दिल्ली के सात फ्लाईओवरों का जीर्णोद्धार करेगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली । उपमुख्यमंत्री एवं पीडब्ल्यूडी मंत्री मनीष सिसोदिया ने बुधवार को दिल्ली में यातायात को सुगम बनाने की दिशा में सात महत्वपूर्ण फ्लाई ओवरों के सुदृढ़ीकरण व मरम्मत के कार्यों को मंजूरी दी हैं। इनमें अफ्रीका एवेन्यू फ्लाईओवर,मोती बाग फ्लाईओवर, सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर, आईटीओ फ्लाईओवर, तिलक नगर डिस्ट्रिक्ट सेंटर फ्लाईओवर, तिलक नगर मेट्रो फ्लाईओवर व पंजाबी बाग फ्लाईओवर शामिल हैं। इन फ्लाई ओवरों के मरम्मत कार्यों के लिए पीडब्ल्यूडी मंत्री मनीष सिसोदिया ने 12.46 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इस मौके पर सिसोदिया ने कहा पीडब्ल्यूडी द्वारा दिल्ली के सात मुख्य फ्लाई ओवरों का सुदृढ़ीकरण व मरम्मत कार्य किया जाएगा। इससे फ्लाई ओवरों की मजबूती बढ़ने के साथ-साथ उनका जीवनकाल 20 साल तक बढ़ जाएगा।

26 साल बाद होंगे कांग्रेस कार्यसमिति के चुनाव ? संचालन समिति की बैठक में होगा फैसला

एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, अभी यह तय नहीं है कि कांग्रेस कार्यसमिति के लिए चुनाव होंगे या नहीं, क्योंकि इस बारे में अंतिम फैसला 24 फरवरी को रायपुर में होने वाली संचालन समिति की बैठक में होगा।

नई दिल्ली। कांग्रेस महाधिवेशन की तारीख करीब आते ही पार्टी के अंदर यह बहस तेज हो गई है कि क्या 26 साल बाद पार्टी में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के लिए चुनाव होंगे। सीडब्ल्यूसी के लिए आखिरी बार 1997 में कोलकाता अधिवेशन में चुनाव हुए थे। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, अभी यह तय नहीं है कि कांग्रेस कार्यसमिति के लिए चुनाव होंगे या नहीं, क्योंकि इस बारे में अंतिम फैसला 24 फरवरी को रायपुर में होने वाली संचालन समिति की बैठक में होगा। हालांकि, पार्टी के ज्यादातर नेता चुनाव के खिलाफ हैं। रायपुर महाधिवेशन में करीब 1250 एआईसीसी सदस्य हिस्सा लेंगे। इससे पहले कांग्रेस के करीब 1700 एआईसीसी सदस्य होते थे। इस बार पार्टी ने संख्या कम की है। ऐसे में माना जा रहा है कि सीडब्ल्यूसी के चुनाव को ध्यान में रखते

इस बारे में अंतिम फैसला 24 फरवरी को रायपुर में होने वाली संचालन समिति की बैठक में होगा। हालांकि, पार्टी के ज्यादातर नेता चुनाव के खिलाफ हैं। रायपुर महाधिवेशन में करीब 1250 एआईसीसी सदस्य हिस्सा लेंगे।

हुए संख्या को कम किया गया है। सीडब्ल्यूसी में 23 सदस्य होते हैं। इनमें से 11 सदस्यों को पार्टी अध्यक्ष नामित करते हैं जबकि 12 सदस्यों के लिए चुनाव कराए जाने का प्रावधान है। यदि संचालन समिति प्रस्ताव पारित कर अध्यक्ष को अधिकार सौंप देती है, तो इन सदस्यों को भी नामित किया जा सकता है।

थरूर के मुद्दे पर केरल कांग्रेस में झगड़ा

वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर को सीडब्ल्यूसी में जगह मिल सकती है। केरल कांग्रेस के कई नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर थरूर को सीडब्ल्यूसी में नामित करने का अनुरोध किया है। सूत्रों का कहना है कि प्रदेश कांग्रेस के कई नेता इसके खिलाफ हैं।

थरूर के करीबी नेताओं का कहना है कि वह सीडब्ल्यूसी का चुनाव लड़ने के लिए इच्छुक नहीं हैं। थरूर ने कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ा था और उन्हें एक हजार से ज्यादा मत मिले थे। इसके बाद से कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्हें सीडब्ल्यूसी में जगह मिल सकती है। इस बीच, केरल कांग्रेस का एक तबका थरूर को सीडब्ल्यूसी में शामिल किए जाने की संभावनाओं से खुश नहीं है क्योंकि, इससे राज्य में उनका दबदबा बढ़ जाएगा। प्रदेश के वरिष्ठ नेता एके एंटनी और ओमन चांडी की तबीयत ठीक नहीं है, ऐसे में वह अधिवेशन में अनुपस्थित रह सकते हैं।

सुनीता विलियम्स बोइंग के कैप्सूल से अंतरिक्ष में जाएंगी

अहमदाबाद। विमान बनाने वाली कंपनी बोइंग के पास स्पेस स्टेशन बनाने और उसे अंतरिक्ष में भेजने का मिशन है। इस मिशन के लिए नासा की मदद ली गई है। बोइंग कंपनी पहले भी मानव रहित स्पेस स्टेशन भेज चुकी है, लेकिन अब बारी इंसानों की है। मिशन के लिए नासा के 2 सीनियर साइंटिस्ट बुच विल्मोर और भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स को चुना गया है। अभी तक कई अंतरिक्ष यान इंसानों को अंतरिक्ष में लेकर गए हैं, लेकिन बोइंग स्टारलाइनर कैलिप्सो इंसान को लेकर जाने वाला पहला होगा। दिव्य भास्कर को सुनीता विलियम्स के परिवार के एक करीबी ने यह जानकारी दी है।

कोरोना के चलते एक साल पोस्टपोन हुआ मिशन-यूं तो यह मिशन जुलाई 2022 में होना था, लेकिन कोरोना महामारी के चलते इसे एक साल के लिए टाल दिया गया। अब अप्रैल के दूसरे या तीसरे हफ्ते में बोइंग स्टारलाइनर कैलिप्सो नाम का छोटा यान दो अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतरिक्ष में उड़ान भरेगा। दोनों यात्री दो हफ्ते तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में रहेंगे। इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

अंतरिक्ष यान और बोइंग के बीच क्या अंतर है?दअंतरिक्ष यान और बोइंग स्टारलाइनर बहुत अलग हैं। अंतरिक्ष यान अपनी कक्षा में लंबे समय तक रह सकता है, जबकि बोइंग के पास अपनी कक्षा में कम समय होता है। अंतरिक्ष यान ज्यादा सामान नहीं ले जाता है, लेकिन बोइंग अंतरिक्ष में उपकरण, दूसरे ग्रह के लिए सामान ले जा सकता है। अगर यह बोइंग का यह मिशन सफल होता है तो इससे स्पेस टूरिज्म के नए दरवाजे खुलेंगे।

सुनीता अमेरिका के टॉलरेंट की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं-सुनीता विलियम्स के नाम अंतरिक्ष में कई उपलब्धियां हैं। नासा के प्रोफाइल में सुनीता, अमेरिका में सबसे ज्यादा सहनशक्ति वाले लोगों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उनकी सहनशक्ति सभी के लिए प्रेरणा है। महिला अंतरिक्ष यात्री के रूप में उनके नाम सबसे लंबा स्पेसवॉक दर्ज है। सुनीता विलियम्स को 1998 में नासा की ओर से एक अंतरिक्ष यात्री के रूप में चुना गया था और वह दो अंतरिक्ष मिशन की अनुभवी हैं। ट्रेनिंग और विश्लेषण के बाद सुनीता ने मास्को में रूसी अंतरिक्ष एजेंसी के साथ अंतरिक्ष स्टेशन पर पहले मिशन दल के साथ काम किया। अब, भारतीय-अमेरिकी सुनीता विलियम्स बोइंग स्टारलाइनर कैप्सूल में अपनी पहली उड़ान भरेंगी।

ऐसे सांसदों के टिकट काटने की तैयारी में भाजपा, तैयार करा रही रिपोर्ट कार्ड

लखनऊ। मिशन 2024 की तैयारियों में जुटी भाजपा अपने सभी सांसदों का रिपोर्ट कार्ड तैयार करवा रही है। चुनाव जीतने के बाद अपने संसदीय क्षेत्रों से दूरी बनाना अब भाजपा के कई सांसदों को भारी पड़ सकता है। इसके लिए बेहद गोपनीय ढंग से सर्वेक्षण कराया जा रहा है। हर लोकसभा क्षेत्र में सांसद के काम और उसकी लोकप्रियता का आंकलन हो रहा है। उनकी कार्यशैली से लेकर जनता और कार्यकर्ताओं में छवि भी सर्वेक्षण का हिस्सा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा संसदीय दल की हालिया बैठक में सांसदों को ज्यादा समय क्षेत्र में रहने की नसीहत दी थी। पीएम ने ऐसा यूं ही नहीं कहा। पार्टी सूत्रों की मानें तो सर्वेक्षण के आधार पर तमाम सीटों का फीडबैक पार्टी नेतृत्व तक पहुंचा है। इसमें कुछ सांसदों की अपने क्षेत्र में बेहद कम

सक्रियता का मामला भी शामिल है। चूंकि 2014 व 2019 में भाजपा की प्रचंड जीत में यूपी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है।

प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व तक भी पहुंची शिकायतें

फिलहाल प्रदेश की 80 में से 64 लोकसभा सीटें भाजपा और दो उसके सहयोगी अपना दल (एस) के पास हैं। इनमें से बड़ी संख्या में सांसदों ने 2019 में मोदी लहर पर सवार होकर चुनावी वैतरणी पार की थी। कुछ क्षेत्र में सक्रिय रहे तो कइयों ने मुंह मोड़ लिया। ऐसे सांसदों की शिकायतें प्रदेश से लेकर केंद्रीय नेतृत्व तक भी पहुंची हैं। लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी पार्टी ऐसी किसी कमजोर कड़ी को लेकर जोखिम नहीं उठाना चाहती। लिहाजा यूपी के सांसदों का भी पूरा ब्योरा जुटाया जा रहा है। बीते दिनों इंडिया टुडे और सी वोटर का सर्वेक्षण सामने आया था। इसके अलावा भाजपा अलग से भी सर्वेक्षण करा रही है। पार्टी लोकसभा और विधानसभा चुनावों में पहले भी ऐसा करती रही है। सूत्रों का कहना है कि काफी लोकसभा क्षेत्रों का सर्वे पूरा भी हो चुका है।

दी थी नसीहत

बीते दिनों मुख्यमंत्री ने भी मंडलवार सांसद-विधायकों संग बैठकें की थी। उन्होंने सांसदों को समन्वय बनाने की सलाह भी दी थी। सीएम ने यह भी कहा था कि कोई भी यह न मान ले कि उसकी टिकट पक्की है। नेतृत्व जिसे टिकट देगा, वही प्रत्याशी होगा। सभी सांसदों को ज्यादा से ज्यादा जनता के बीच रहने की सलाह सीएम ने दी थी। साथ ही सांसदों से पांच और विधायकों से तीन-तीन करोड़ रुपये के विकास कार्यों के प्रस्ताव भी लिए गए थे।

गोदावरी एक्सप्रेस तेलंगाना में पटरी से उतरी

किसी के हताहत होने की नहीं है सूचना

हैदराबाद। बीबीनगर में गोदावरी एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। ये घटना विशाखापत्तनम से हैदराबाद आते समय हुई। इस हादसे के कारण ट्रेन में यात्रा कर रहे सभी यात्री दहशत में आ गए। हादसे के वक्त मालगाड़ी दूसरे ट्रैक से नीचे उतर गई थी। एक बड़ा खतरा बाल-बाल टल गया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। हादसे के कारण कई ट्रेनें बाधित रहीं। कई ट्रेनों को भुवनगिरी, बीबीनगर और घटकेसर स्टेशनों पर रोका गया। ट्रेन संख्या 12727 (विशाखापत्तनम-सिकंदराबाद) गोदावरी एक्सप्रेस बीबीनगर से घटकेसर के बीच पटरी

से उतर गई। अधिकारियों के मुताबिक, घटना के दौरान एस1-एस4, जीएस और एसएलआर जैसे छह डिब्बे पटरी से उतर गए थे। हालांकि, किसी के हताहत होने/चोट लगने की सूचना नहीं मिली है। उसी ट्रेन से पटरी से उतरे डिब्बों को अलग कर यात्रियों को निकाला गया। एससीआर ने यात्रियों के विवरण के लिए एक हेल्पलाइन नंबर की व्यवस्था की है । जिस पर फोन कर जानकारी ली जा सकती है।

कार ब्लास्ट में एनआईए ने तेज की कार्रवाई, तीन राज्यों में 60 ठिकानों पर छापामारी

नई दिल्ली। कोयंबटूर कार ब्लास्ट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) एक्टिव है। एनआईए की टीम तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल में कई ठिकानों पर छापामारी कर रही है। जानकारी के मुताबिक, एनआईए अधिकारियों ने 60 ठिकानों की तलाशी ली है। बताया जा रहा है कि प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस से संबंध रखने वाले संदिग्धों को पकड़ने के लिए ये छापामारी की गई है।

क्या है कोयंबटूर कार ब्लास्ट केस?

गौरतलब है कि बीते साल दीपावली से ठीक एक दिन पहले कोयंबटूर के संगमेश्वर मंदिर के सामने कार में सिलेंडर ब्लास्ट हुआ था। धमाके में 25 वर्षीय जमेशा मुबीन की मौत हो गई थी। जांच में पता चला कि जमेशा अपने अन्य साथियों के साथ दक्षिण भारत के कई इलाकों में बम धमाके की साजिश रच रहा था।

भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

पुलिस को उसके घर से भारी मात्रा में विस्फोटक मिला था। तलाशी के दौरान कोयंबटूर रेलवे स्टेशन का नक्शा, सिटी पुलिस कमिश्नर ऑफिस, कोयंबटूर कलेक्टरेट, रेस कोर्स और विक्टोरिया हाल के रोडमैप मिले थे। पुलिस का ये भी कहना था कि जमेशा आईएसआईएस के साथ संपर्क में था।

मंगलुरु में ऑटो रिक्शा में प्रेशर कुकर बम धमाका-कर्नाटक के मंगलुरु में बीते साल अक्टूबर में एक ऑटो रिक्शा में प्रेशर कुकर बम धमाका हुआ था। धमाके में आरोपी मोहम्मद शारिक भी घायल हुआ था। कई मामलों में आरोपी शारिक लंबे समय से फरार चल रहा था। जांच में पता चला कि शारिक आरएसएस से जुड़े संगठनों द्वारा आयोजित बच्चों के कार्यक्रम में धमाके की फिराक में था।

इंडियन आर्मी अग्निवीर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

आज से करें आवेदन

नई दिल्ली। अग्निपथ योजना के तहत वर्ष 2023-24 की नई अग्निवीर भर्ती का पहला नोटिफिकेशन joinindianarmy.nic.in पर जारी कर दिया गया है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन कल 16 फरवरी से शुरू होंगे। यह भर्ती तमिलनाडु के वेल्लौर, तिरुपत्तूर, रानीपेट, विल्लुपुरम, कल्लाकुरिची, चेन्नई, कुड्डालोर, तिरुवन्नामलाई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू के युवाओं के लिए निकाली गई है। इसके बाद यूपी, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, नई दिल्ली समेत अन्य राज्यों के युवाओं के लिए भी अलग से नोटिफिकेशन जारी होंगे। पदों की योग्यता वहीं होगी जो कि इसमें दी गई है। तमिलनाडु के युवा इस भर्ती के लिए joinindianarmy.nic.in पर जाकर 15 मार्च तक आवेदन कर सकेंगे। इस बार भी सेना में अग्निवीर जनरल ड्यूडी, अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर क्लर्क, स्टोर कीपर टेक्निकल, अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वीं 10वीं पास) की वैकेंसी निकाली गई है।

1. पहले होगी लिखित परीक्षा

अग्निवीर भर्ती की चयन प्रक्रिया में बदलाव किया किया गया है। अब सेना में अग्निवीर बनना चाह रहे

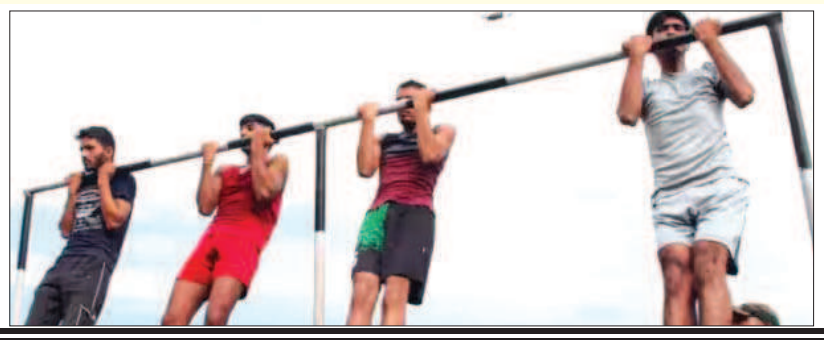

युवाओं को पहले ऑनलाइन लिखित परीक्षा (कॉमन एंट्रेंस टेस्ट) देनी होगी और उसके बाद फिजिकल व मेडिकल टेस्ट होगा। जबकि अभी तक पहले फिजिकल टेस्ट और उसमें सफल अभ्यर्थियों को मेडिकल टेस्ट के लिए बुलाया जाता है। आर्मी ने यह फैसला अग्निवीर भर्ती रैली में उमड़ी युवाओं की भारी भीड़ को देखते हुए लिया है। 17 अप्रैल 2023 से यह ऑनलाइन लिखित परीक्षा होगी।

2. नई भर्ती प्रक्रिया के चरण

पहला चरण - ऑनलाइन कॉमन लिखित परीक्षा

दूसरा चरण - फिजिकल टेस्ट । लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को ही इसमें बुलाया जाएगा। व मेडिकल टेस्ट।

तीसरा चरण - मेरिट लिस्ट बनाई जाएगी।

चौथा चरण - आर्म्स एंड सर्विस का आवंटन होगा।

पांचवां चरण - डॉक्यूमेंटेशन होंगा।

छठा चरण - ट्रेनिंग सेंटर पर रिपोर्टिंग।

आर्मी का कहना है कि इस बदलाव से रैली में अभ्यर्थियों की तादाद कम होगी और वहां की व्यवस्था बेहतर ढंग से हो सकेगी।

कोलकाता हवाईअड्डे पर ?विदेशी मुद्रा ले जा रहे तीन बांग्लादेशी गिरफ्तार

कोलकाता । बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा ले जा रहे तीन बांग्लादेशी नागरिकों को कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उस समय हिरासत में लिया गया, जब वे ढाका जाने वाली एक उड़ान में सवार होने की कोशिश कर रहे थे। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मियों द्वारा उसके चेक-इन सामान से 30,000 डॉलर बरामद करने के बाद सबसे पहले शफीकुल को हिरासत में लिया गया। पूछताछ करने पर सीआईएसएफ कर्मियों को दो अन्य लोगों के बारे में पता चला, जो बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा लेकर बांग्लादेश जा रहे थे। सीआईएसएफ कर्मियों ने सबसे पहले मुल्ला मोहम्मद नसीरुद्दीन को हिरासत में लिया और उसकी जैकेट की जेब से 19,000 कनाडाई डॉलर बरामद किए। इसके बाद उन्होंने मोहम्मद फिरोज आलम को हिरासत में लिया, जिसके पास से 35,000 डॉलर बरामद किए गए। सीआईएसएफ कर्मियों ने तीनों को हवाईअड्डे पर तैनात सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया। सीमा शुल्क अधिकारी तीनों से इतनी बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा के स्रोत और उन्हें बांग्लादेश ले जाने के उद्देश्य के बारे में पूछताछ कर रहे हैं।

पंजाब सरकार महिला आयोग की अध्यक्ष मनीषा गुलाटी को हटाने का आदेश वापस लेगी

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने बुधवार को पंजाब एंव हरियाणा उच्च न्यायालय को सूचित किया कि वह मनीषा गुलाटी को राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष के पद से हटाने का आदेश वापस लेगी। गुलाटी के वकील ने यह जानकारी दी। इसके पहले गुलाटी ने मंगलवार को राज्य सरकार के कदम के खिलाफ उच्च न्यायालय में गुहार लगाई थी। राज्य सरकार ने सितंबर 2020 के उस पत्र को वापस लेकर उन्हें हटाने का कदम उठाया था जिसमें उन्हें मार्च, 2024 तक का सेवा विस्तार दिया गया था। गुलाटी के वकील चेतन मित्तल ने कहा, ''आज जब मामले को अदालत में लाया गया, तो पंजाब सरकार ने बयान जारी करके कहा कि वह खुद से आज अपना आदेश वापस ले रही है।'' उन्होंने कहा कि इसी के साथ मनीषा गुलाटी अपने पद पर बहाल हो गई हैं।गुलाटी को मार्च 2018 में अमरिंदर सिंह की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार में महिला आयोग का प्रमुख बनाया गया था। सिंह फिलहाल भाजपा में हैं।

एनआईए ने तमिलनाडु, कर्नाटक व केरल में आईएस से संबध्द 60 ठिकानों पर मारे छापे

पिछले साल हुए कोयम्बटूर व मंगलुरु विस्फोट के मामले में हुई कार्रवाई

चैन्नई । राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए पिछले साल के कोयम्बटूर और मंगलुरु विस्फोट मामलों में तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल में छापेमारी कर रही है। सूत्रों ने मीडिया को बताया कि तीन दक्षिणी राज्यों में इस्लामिक स्टेट (आईएस) से संबंधित 60 ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। छापेमारी की यह कार्रवाई 23 अक्टूबर 2022 को कोयंबटूर के पास उक्कड़म में कार बम विस्फोट से संबंधित है, जिसमें 29 वर्षीय जमीशा मुबीन की मौत हो गई थी। मीडिया के अनुसार एनआईए ने दिसंबर में दो आरोपियों शेख हिदायतुल्ला और सनोफर अली को गिरफ्तार किया था। इस मामले में अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुख्य आरोपी जमेशा मुबीन, जो आईएस का सदस्य है, आत्मघाती हमले को अंजाम देने और समुदाय में आतंक फैलाने के इरादे से मंदिर परिसर को व्यापक नुकसान पहुंचाने की योजना बना रहा था। शुरू में केस उक्कड़म, कोयम्बटूर जिला, तमिलनाडु में दर्ज किया गया था, बाद में इस मामले को एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया। एनआईए ने कहा था कि जांच से पता चला है कि आरोपियों ने फरवरी 2022 में इरोड जिले के सत्यमंगलम वन के असनूर और कदंबूर वन क्षेत्रों के अंदरूनी इलाकों में एक आपराधिक साजिश रची थी। बैठकों का नेतृत्व पूर्व में गिरफ्तार आरोपी उमर फारूक कर रहा था और इसमें जमेशा मुबीन, मोहम्मद अजहरुद्दीन, शेख हिदायतुल्ला और सनोफर अली ने भाग लिया, जहां उन्होंने आतंकी गतिविधियों की तैयारी करने और उन्हें अंजाम देने की साजिश रची थी। 19 नवंबर 2002 को हुए मंगलुरु ऑटोरिक्शा विस्फोट की भी जांच की जा रही है, जिसमें एक 23 वर्षीय युवक मोहम्मद शरीक घायल हो गया था। पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों की जांच में खुलासा हुआ है कि विस्फोट से पहले शारिक तमिलनाडु और केरल में था। बुधवार तड़के तमिलनाडु में 35 स्थानों, केरल में 5 और कर्नाटक में 20 स्थानों पर छापेमारी शुरू हुई।

यूपी : आजम खान को बड़ा झटका, बेटे अब्दुल्ला की खत्म हुई विधायकी, स्वार सीट पर फिर होंगे चुनाव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को एक बार फिर से बड़ा झटका लगा है। दरअसल, आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम की विधायकी खत्म हो गई है। उन्हें उत्तर प्रदेश विधानसभा से अयोग्य घोषित किया गया है। इसके बाद उनकी सीट स्वार को रिक्त भी घोषित कर दिया गया है। यह दूसरा मौका है जब अब्दुल्लाह आजम को अयोग्य घोषित किया गया है और उनकी सीट को रिक्त किया गया है। इसका मतलब साफ है कि स्वार टांडा सीट पर एक बार फिर से विधानसभा के लिए उपचुनाव होंगे। इससे पहले मुरादाबाद की एक विशेष अदालत ने सोमवार को 15 साल पुराने मामले में समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव आजम खान और उनके विधायक पुत्र अब्दुल्ला आजम को दो साल की सजा सुनाई थी। इसी के बात अब्दुल्ला आजम के लिए मुश्किलों की शुरूआत हुई थी। आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला को दो-दो साल की सजा और तीन-तीन हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार 31 दिसंबर 2007 की रात उत्तर प्रदेश के रामपुर स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शिविर पर आतंकवादी हमला हुआ था, जिसके बादपुलिसने लगातार वाहनों की गहन तलाशी अभियान चलाया था। इसी क्रम में 29 जनवरी 2008 को समाजवादी पार्टी नेता आजम खान के काफिले को जांच के दौरान रोके जानेको लेकर आजम खान नाराज हो गये। इसके बाद वह हरिद्वार राजमार्ग पर धरने पर बैठ गए और हंगामा किया।

पैसे के लालच में आईटीबीपी जवान ने पत्नी को मार डाला, बताया हादसा हो गया

-इंश्योरेंस कंपनी को ठगने के लिए ले ली अपनी पत्नी की जान

गाजीपुर । पैसों के लालच में लोग अब अपनों का भी गला घोंट रहे हैं। ऐसा ही आईटीबीपी के एक जवान का खूनी खेल सामने आया। पैसे के लालच में जवान ने अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया और फिर कत्ल को बता दिया हादसा। गाजिपुर में विगत दिवस एक महिला की लाश सड़क पर मिली। लाश के पास उसकी स्कूटी भी थी। ऐसा लगता है था कि लड़की का एक्सीडेंट हुआ है। मीडिया के अनुसार लोगों का भी कहना था कि लड़की को एक स्कॉर्पियो कार ने टक्कर मार दी, जिसके बाद लड़की की मौत हो गई। पुलिस डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दी, लेकिन पोस्टमार्टम में चौंकाने वाला सच सामने आया। पुलिस के अनुसार मृतक महिला की पहचान काजल के रूप में हुई। काजल आईटीबीपी के एक जवान आशुतोष दुबे की पत्नी थी। पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट में सामने आया कि काजल की मौत एक्सीडेंट से नहीं, बल्कि गला दबाने से हुई। काजल के गले में चोट के निशान भी थे। शक सीधा-सीधा आशुतोष दुबे पर गया, लेकिन जब तक पुलिस आशुतोष के घर पहुंचती, वह फरार हो चुका हो गया था। पुलिस छानबीन की तो काजल के मौत की असल कहानी सामने आई। दरअसल आशुतोष दुबे ने ही काजल का कत्ल किया था। आशुतोष दुबे ने काजल को एक ढाबे में बुलाया, जहां वो अपनी स्कूटी से आई थी। उसके बाद आशुतोष दुबे अपने दो दोस्तों के साथ स्कॉर्पियो में वहां पहुंचा और काजल को साथ चलने के लिए कहा। काजल को लेकर वो सुनसान इलाके में गया और फिर दोस्तों की मदद से उसका गला दबा दिया। इसके बाद इन्होंने काजल को स्कूटी में सड़क पर छोड़ दिया और पीछे से टक्कर मार दी ताकि ये दुर्घटना लगे। उल्लेखनीय है कि आशुतोष दुबे ने काजल के अलावा एक और शादी की थी। काजल को कुछ दिन पहले ही इस बात का पता चला था। इस वजह से दोनों की बीच झगड़ा चल रहा था। काजल के नाम पर 30 लाख की एक इंश्योरेंस पॉलिसी थी। बस आशुतोष के दिमाग में इस साजिश ने जन्म लिया। वो चाहता था कि काजल से छुटकारा भी मिल जाए और तीस लाख भी मिल जाएं, ताकि वो अपनी दूसरी पत्नी के साथ अच्छे से जिंदगी बिता पाए। आशुतोष तो फिलहाल पुलिस की पकड़ में नहीं आ पाया है, लेकिन उसके दोनों दोस्त राकेश और प्रिंस को गिरफ्तार कर लिया गया है। ये दोनों ही पहले भी अपराधी रह चुके हैं।

मेघालय में बोले जेपी नड्डा

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत आज लेने वाला नहीं बल्कि देने वाला देश बन गया

शिलांग (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कई मोर्चों पर आगे बढ़ रहा है, देश आज लेने वाला नहीं बल्कि देने वाला है। देश के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की सराहना कर उन्होंने कहा कि अतीत में देशों को टीके तैयार करने में वर्षों लग जाते थे, लेकिन भारत ने कुछ महीनों के अंतराल में कोविड-19 के लिए वैक्सीन तैयार कर ली।पीएम मोदी के नेतृत्व में, भारत ने 100 देशों को कोरोना के टीके भेजे हैं, इसमें से 48 देशों को मुफ्त में प्रदान किया है। नड्डा ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, भारत आज लेने वाला नहीं बल्कि देने वाला है।

उन्होंने याद किया कि अतीत में कैसे जापानी टीकों को भारत पहुंचने में वर्षों लग गए थे। इसके पहले, चिकनपॉक्स और पोलियो जैसी बीमारियों के लिए दवाओं और टीकों के साथ आने में साल बीत जाते थे। हालांकि, भारत ने, कोरोना महामारी के दौरान, कुछ महीनों में टीका तैयार कर लिया। नडडा ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन अभी भी अमेरिका में मास्क पहनते हैं, जबकि 130 करोड़ भारतीय बिना मास्क के सुरक्षित घूमते हैं।

नड्डा ने कहा कि कभी जापान और अमेरिका जैसे विकसित देशों का ऑटोमोबाइल बाजार पर दबदबा था, लेकिन वाहनों के निर्माण और निर्यात में भारत आज तीसरे स्थान पर है। नड्डा ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि भारत दूरसंचार क्षेत्र में भी काफी प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा, वह दिन दूर नहीं जब आईफोन जैसे टॉप ब्रांड्स पर मेड इन इंडिया लिखा होगा।

देश के कानून से ऊपर कोई नहीं है : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली । केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बीबीसी कार्यालयों पर आईटी विभाग के सर्वे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि देश के कानून से ऊपर कोई नहीं है। मुंबई में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए अनुराग ने कहा कि आयकर विभाग समय-समय पर जहां पर अनियमितता पाई जाती हैं वहां पर सर्वे करता है और जब यह सर्वे का काम पूरा हो जाता है तब वह अपना एक विस्तृत प्रेस नोट जारी कर या प्रेस ब्रीफिंग कर जानकारी देता है। ठाकुर ने देश की एजेंसियो को पूरी तरह स्वायत बताते हुए कहा कि देश के कानून से ऊपर कोई कोई नहीं है, न्याय व्यवस्था से ऊपर कोई नहीं है। ठाकुर ने इस सर्वे के जरिए सरकार की मंशा पर सवाल उठाने वालों पर पलटवार करते हुए दावा किया कि एजेंसियां पूरी तरह स्वायत है और उन्हें अपना काम करने दें। ठाकुर ने आगे कहा कि जब आयकर विभाग का सर्वे का यह काम पूरा हो जाएगा तो विभाग जरूर डिटेल में इसकी जानकारी मीडिया को बताएगा।

भारत के लोकतंत्र पर हमला है बीबीसी पर इनकम टैक्स का छापा: आप

- बीबीसी पर छापामारी कर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को धमकी दे रही केंद्र सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार पर बीबीसी पर छापा मारकर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को खतरे में डालने का आरोप लगाया। आप नेता आतिशी ने कहा कि भाजपा सरकार उसके खिलाफ बोले या दिखाए गए हर शब्द को दबाना चाहती है। बीबीसी पर इनकम टैक्स का छापा भारत के लोकतंत्र पर हमला है। मीडिया सबसे महत्वपूर्ण है। आज केंद्र की भाजपा सरकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को तोड़ने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि यह पूरी मीडिया बिरादरी के लिए एक संदेश है कि अगर वे भाजपा और पीएम के खिलाफ कुछ भी दिखाते हैं, तो उनका वही हश्र होगा। कार्रवाई के पीछे केंद्र की मंशा पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने इन आरोपों को सामने आने से रोकने के लिए बीबीसी द्वारा बनाई गई डॉक्यूमेंट्री पर प्रतिबंध लगा दिया। भारत प्रेस स्वतंत्रता के वैश्विक सूचकांक में 180 देशों में 150वें नंबर पर है, आज पूरी दुनिया भारत की लोकतांत्रिक स्थिति पर सवाल उठा रही है।

उन्होंने कहा कि बीबीसी पर छापा क्यों मारा गया क्योंकि आज भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री की चर्चा कर रही है। सबसे पहले भाजपा की केंद्र सरकार ने उस डॉक्यूमेंट्री को प्रतिबंधित कर दिया और वेबसाइटों और सोशल मीडिया से हटा दिया, ताकि भारत में कोई भी इसे देख न सके। नरेंद्र मोदी पर बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री पर प्रतिबंध के बाद भाजपा शासित केंद्र सरकार द्वारा सेंसरशिप का यह पहला कार्य था। आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार हम सभी को धमकी दे रही है और जोर देकर कह रही है कि कोई भी, यहां तक कि बीबीसी जैसी विश्व स्तर पर प्रसिद्ध संस्था भी कुछ नहीं कह सकती, लिख सकती या दिखा सकती है, जो आलोचनात्मक है। आतिशी ने भाजपा से यह बताने को कहा कि वह पूरी दुनिया के सामने भारत की कौन सी छवि पेश करना चाहती है। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि आप कुछ समय के लिए लोगों की आवाज को दबा सकते हैं, लेकिन आप दुनिया के हर व्यक्ति की आवाज को हमेशा के लिए नहीं दबा सकते।

अडानी समूह को लेकर कांग्रेस ने आरबीआई और सेबी को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सेबी चेयरमैन और आरबीआई गवर्नर को पत्र लिखकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) पर अडाणी समूह की वित्तीय अनियमितताओं के प्रभाव की जांच करने का आग्रह किया है। अपने पत्र में, जयराम ने लिखा कि कई भारतीय नागरिक इन आरोपों से परेशान हैं कि अदानी ग्रुप स्टॉक मैनिपुलेशन और अकाउंटिंग फ्रॉड में लिप्त है। कई भारतीय कानूनों के संभावित उल्लंघन के अलावा, यह भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के लिए हर चीज के खिलाफ जाता है। हम आपसे सभी संभावित उल्लंघनों की जांच करने और अदानी समूह की कंपनियों में निवेश करने वालों के बारे में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने का आग्रह करते हैं। अदानी समूह के आकार और राजनीतिक संबंधों को देखते हुए, यह आवश्यक है कि इस तरह की जांच को निष्पक्ष और पूर्ण रूप से देखा जाए, जिसमें प्रभावशाली व्यावसायिक समूह का कोई पक्ष नहीं है। ऐसा करने में कोई भी विफलता भारतीय कॉर्पोरेट प्रशासन और भारत के वित्तीय नियामकों पर असर डालेगी, और विश्व स्तर पर धन जुटाने की हमारी क्षमता को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने कहा, एलआईसी जिस पर 30 करोड़ भारतीय अपने जीवन की बचत के लिए भरोसा करते हैं, को हाल के दिनों में अदानी समूह के स्टॉक में हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

आरबीआई को लिखे पत्र में, जयराम ने कहा, आरबीआई को दो पहलुओं पर गौर करना चाहिए, जिसमें एक, भारतीय बैंकिंग प्रणाली का अदानी समूह का वास्तविक जोखिम क्या है? दूसरा, अदानी समूह की स्पष्ट और अंतर्निहित गारंटी क्या है? यह देखते हुए कि अगर विदेशी फंडिंग समाप्त हो जाती है, तब क्या भारतीय बैंक इस उबार लेंगे? क्या आरबीआई यह सुनिश्चित करेगा कि भारतीय बैंकों को विशेष रूप से अदानी समूह के राजनीतिक संबंधों को देखते हुए विदेशी फाइनेंसिंग में किसी भी कमी को पूरा करने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा? भारतीय जीवन बीमा निगम और भारतीय स्टेट बैंक जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थान हाल के वर्षों में अदानी समूह के लिए असामान्य रूप से उदार रहे हैं। आरबीआई को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वित्तीय स्थिरता के जोखिमों की जांच की जाए और उन्हें नियंत्रित किया जाए।

लोकतंत्र और राष्ट्रवाद के वास्तविक रक्षक बनें आईआईएस अधिकारी : उपराष्ट्रपति धनखड़

नयी दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के एक समूह के साथ संवाद किया और उन्हें ''लोकतंत्र एवं राष्ट्रवाद के वास्तविक रक्षक'' बनने को कहा। उपराष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक धनखड़ ने कोविड-19 महामारी के दौरान भ्रामक सूचना से लड़ने और टीका संबंधी हिचकिचाहट को दूर करने में आईआईएस अधिकारियों की भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने प्रशिक्षुओं से कहा, ''हमेशा सतर्क रहें क्योंकि चीजें इन दिनों एक सेकंड में वायरल हो रही हैं।''

भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी भारत सरकार के मीडिया प्रबंधक होते हैं। वे सूचना के प्रसार और विभिन्न सरकारी नीतियों और योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के माध्यम से सरकार और लोगों के बीच एक महत्वपूर्ण संचार कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। धनखड़ ने भारत को अवसरों और निवेश की भूमि के रूप में वर्णित किया तथा इन शक्तियों को आगे बढ़ाने में प्रभावी संचार की भूमिका पर प्रकाश डाला।

''सूचनाओं की डंपिंग'' को ''आक्रमण का एक और तरीका'' बताते हुए उन्होंने इसे बेअसर करने के लिए साहसिक और प्रभावी कदम उठाने का आह्वान किया।

उपराष्ट्रपति ने भारत के विकास की कहानी को धीमा करने के लिए छेड़छाड़ की गई कहानियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए सतर्क रहने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। उन्होंने युवा अधिकारियों से कहा, ''हमारे पास अब देरी से प्रतिक्रिया की सुविधा नहीं है।'' इस अवसर पर उपराष्ट्रपति के सचिव सुनील कुमार गुप्ता, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा, आईआईएमसी के महानिदेशक प्रोफेसर संजय द्विवेदी, 2020, 2021 और 2022 बैच के आईआईएस अधिकारी प्रशिक्षु और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कर्नाटक भाजपा प्रमुख का बयान, हम भगवान राम और हनुमान के भक्त, टीपू के वंशजों को वापस भेज दिया

बैंगलुरू (एजेंसी)। कर्नाटक में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर आप राजनीतिक सरगर्मियां तेज होते दिखाई दे रही है। कर्नाटक में एक बार फिर से ध्रुवीकरण की राजनीति को हवा देने की कोशिश की जा रही है। अब नेताओं के बयानों में टीपू सुल्तान की चर्चा खूब हो रही है। एक बार फिर से कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कटील ने फिर से टीपू सुल्तान का मुद्दा छेड़ दिया है। इसके साथ ही उन्होंने खुद को भगवान राम और हनुमान का भक्त बताया है। अपने बयान में नलिन कुमार ने कहा कि हम भगवान राम और हनुमान के भक्त हैं। हम टीपू के वंशज नहीं हैं, हमने उनके वंशजों को वापस भेज दिया।

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष ने हुंकार भरते हुए कहा कि मैं येलबुर्गा के लोगों से पूछता हूं, क्या आप हनुमान की पूजा करते हैं या टीपू के भजन गाते हैं?

क्या आप टीपू के भजन गाने वाले लोगों को भगाऐंगे? इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि तो सोचिए कि इस राज्य को टीपू के वंशज चाहिए या भगवान राम और हनुमान के भक्तों की? इसके साथ ही उन्होंने चुनौती भी दी। उन्होंने कहा कि मैं हनुमान की धरती पर चुनौती देता हूं- टीपू से प्यार करने वालों को यहां नहीं रहना चाहिए, भगवान राम के भजन गाने वाले और भगवान हनुमान को मनाने वाले यहां रहें।

इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी आरोप लगाया कि कांग्रेस और जनता दल (सेक्युलर) 18वीं सदी के शासक टीपू सुल्तान में विश्वास रखते हैं और दोनों दल कर्नाटक का भला नहीं कर सकते हैं। वहीं, उन्होंने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रशंसा करते हुए कहा कि पार्टी 16वीं सदी की उज्वल की रानी अब्बक्का चौटा से प्रेरित है, जिन्होंने राज्य की समृद्धि के लिए शासन किया। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस भ्रष्टाचार में लिप्त है और विपक्षी पार्टी ने कर्नाटक का इस्तेमाल ''गांधी परिवार के लिए 'एटीएम' के तौर पर किया।''उन्होंने जनता से कहा, ''मैं आपसे पूछता हूं क्या लोगों को जद(एस) और कांग्रेस के पक्ष में मतदान करना चाहिए, जो टीपू सुल्तान में विश्वास रखते हैं या भाजपा के लिए मतदान करना चाहिए, जिसकी आस्था रानी अब्बक्का में है।

यूपी में बाल गृह में चार बच्चों की मौत से, बाल गृह के जंगल राज' की हकीकत सामने आई

लखनऊ। लखनऊ के हजरतगंज के राजकीय बाल गृह (शिशु) में चार बच्चों की मौत ने बाल गृह में चल रहे 'जंगल राज' की हकीकत बयां कर दी है। बच्चों को ठीक से खाना नसीब नहीं होता था। बच्चे यदि भूख लगने की बात कहते, तब उन्हें खाने की जगह खरी-खोटी सुनाई जाती थी। उनके साथ मारपीट होती है। हालात कितने खराब थे, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि करीब 75 बच्चों को मात्र सात कमरों में ठूस दिया जाता था। कमरों की दशा बेहद खराब थी। यहां बच्चों को जानवरों से भी बुरे हालात में रहना पड़ता था। इसी के चलते बच्चे बीमार पड़ जाते थे, लेकिन इनका इलाज करने की बजाए इन्हें ऊपर वाले के भरोसे छोड़ दिया जाता था। बीमार बच्चों को तब ही इलाज मिलता जब उनकी जान के लाले पड़ जाते थे। इसकारण गत दिनों तीन बच्चों की मौत हो गई थी। मंगलवार को एक और बीमार बच्चा मौत के मुंह में चला गया। इन बच्चों को तबीयत खराब होने पर पास के ही सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां अंतरा, आयुशी व लक्ष्मी की सोमवार को मौत हो गई थी। वहीं हालत गंभीर होने पर दीपा को ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया था। इलाज के दौरान मंगलवार को उसने भी दम तोड़ दिया। कई बच्चों के बीमार होने और चार की मौत का पता चलने पर जिला प्रोबेशन अधिकारी समेत अन्य अधिकारी बाल गृह पहुंचे, लेकिन यह सब औपचारिकता से अधिक कुछ नजर नहीं आया।

वह युग गया जब प्रगति का मानक पश्चिमीकरण को माना जाता था: विदेश मंत्री जयशंकर

नांदी (फिजी) (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में पुनर्संतुलन हो रहा है और 'वह युग पीछे छूट गया है जब प्रगति का मानक पश्चिमीकरण को माना जाता था।' उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में धीरे-धीरे व्यापक बहु-ध्रुवीयता उत्पन्न हो रही है और अगर तेजी से विकास करना है तो यह आवश्यक है कि सांस्कृतिक पुनर्संतुलन भी हो।' जयशंकर यहां बारहवें विश्व हिंदी सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। अंतरराष्ट्रीय संबंधों के संदर्भ में हिंदी के महत्व को बढ़ावा दिए जाने की जरूरत जताते हुए जयशंकर ने कहा कि न केवल पहचान की अभिव्यक्ति है बल्कि भारत और अन्य देशों को जोड़ने का माध्यम भी है।

फिजी के प्रमुख शहर नांदी में फिजी सरकार और भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से आयोजित इस सम्मेलन में दुनिया भर से हिंदी के करीब 1,200 विद्वान व लेखक भाग ले रहे हैं। 'देनाराउ कनवेंशन सेंटर' में तीन दिन चलने वाले सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान फिजी के राष्ट्रपति रातू विलीमे कटोनिवेरी के अलावा भारत सरकार में गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा तथा विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन भी मौजूद थे। फिजी में हिंदी को आधिकारिक का दर्जा हासिल है। इस मौके पर जयशंकर और राष्ट्रपति कटोनिवेरी ने संयुक्त रूप से एक डाक टिकट भी जारी किया। उद्घाटन सत्र में पहले फिजी के प्रधानमंत्री सितिवनी राबुका को मौजूद रहना था, लेकिन भारतीय अधिकारियों ने बताया कि यहां संसद सत्र के चलते उनकी जगह राष्ट्रपति ने उद्घाटन सत्र में भाग लिया। राबुका हाल ही में प्रधानमंत्री बने हैं और 55 सदस्यीय संसद में उनके पास विपक्ष के मुकाबले केवल एक मत अधिक है।

जयशंकर ने कहा, 'अधिकांश देशों ने पिछले 75 वर्षों में स्वतंत्रता हासिल की और यह उसका ही परिणाम है कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में एक पुनर्संतुलन हो रहा है।' उन्होंने कहा कि शुरुआत में इसका स्वरूप आर्थिक था, लेकिन जल्द ही इसका एक राजनीतिक पहलू भी सामने आने लगा है। उन्होंने कहा कि इस प्रवृत्ति से धीरे-धीरे व्यापक बहु-ध्रुवीयता उत्पन्न हो रही है और अगर तेजी से विकास करना है तो यह आवश्यक है कि सांस्कृतिक पुनर्संतुलन भी हो। जयशंकर ने कहा, ÷वह युग पीछे छूट गया है जब प्रगति का मानक पश्चिमीकरण को माना जाता था।'

जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में और संस्कृति के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, ÷भारत ने आजादी के 75 वर्ष पूरे कर लिए हैं और अब हम अगले 25 वर्ष के लिए एक महत्वाकांक्षी पथ पर आगे बढ़ रहे हैं जिसे हमने अमृतकाल कहा है।' उन्होंने कहा, 'यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का ही परिणाम है कि हम एक नए भारत का निर्माण होता देख रहे हैं।'' विदेश मंत्री ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भारत का अंतरराष्ट्रीय महत्व और बढ़ेगा तथा इस संदर्भ में और संस्कृति की और भी ज्यादा अहमियत होगी। हिंदी के प्रसार और प्रचार पर जोर देते हुए जयशंकर ने कहा कि ऐसी कई भाषाएं और परंपराएं जो औपनिवेशिक युग के दौरान दबा दी गई थीं, अब एक बार फिर वैश्विक मंच पर उभर रही हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसे में यह जरूरी है कि विश्व को सभी संस्कृतियों और समाजों के बारे में अच्छी जानकारी हो और इसी लिए हिंदी सहित विभिन्न भाषाओं के शिक्षण और प्रयोग को व्यापक बनाना बहुत जरूरी है।' उद्घाटन समारोह को राष्ट्रपति कटोनिवेरी के अलावा भारतीय मंत्रियों अजय मिश्रा एवं वी मुरलीधर ने भी संबोधित किया।

मंजूरी नहीं मिलने से लौटी मांडवी-ओखा नाव

प्रदेश के दो मुख्यमंत्रियों के सामने प्रेजेंटेशन फेल

कच्छ (भुज)।

मांडवी-ओखा फेरी सेवा शुरू होने की प्रत्याशा में सऊदी अरब में चलने वाली एक नाव लेडी एलिस को दो साल पहले मांडवी बंदरगाह पर लाया गया था। इस सेवा को शुरू करने के लिए राज्य के दो मुख्यमंत्रियों को किए गए अभ्यावेदन राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण विफल रहे फेरी सेवा को सैद्धांतिक मंजूरी नहीं मिलने के कारण लंबे इंतजार के बाद निजी कंपनी द्वारा लाई गई नाव आखिरकार मुंबई लौट आई।

फेरी सेवा की अनुमति नहीं होने के कारण लंबी नाव मुंबई लौट आई घोघा-दहेज के बीच रो-पैक्स सेवा के शुभारंभ पर, प्रधान मंत्री मोदी ने कच्छ-सौराष्ट्र बंदरगाहों को पानी से जोड़ने वाली यात्री सेवा शुरू करने की घोषणा की।

नतीजा यह हुआ कि एक निजी कंपनी द्वारा मांडवी-ओखा सेवा के लिए करोड़ों की लागत से नाव लाई गई। 5/5/21 को बंदरगाह में लेडी ऐलिस नाव का आधुनिकीकरण किया गया था। इस बीच, फेरी सेवा के लिए कोई हलचल नहीं होने के कारण, तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय रूपानी को बाद में प्रबंधक द्वारा भूपेंद्र पटेल के सामने पेश किया गया, जो विफल रहा और अंतत: नाव को मुंबई ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

गुजरात मैरीटाइम बोर्ड के तत्कालीन वाइस चेयरमैन मुकेश कुमार ने ट्वीट किया कि ओखा-मांडवी, रोसी-जामनगर और ओल्ड मुंद्रा-मांडवी

बंदरगाहों पर पानी से यात्री सेवाएं शुरू करने के लिए जल्द ही एक टेंडर प्रक्रिया आयोजित की जाएगी, जिसके लिए निजी पार्टियों को आमंत्रित किया गया था. आगे आने के लिए। जिसके अनुसार लेडी एलिस बोट के सहायक निदेशक शैलेश आर. मडियार करोड़ों की लागत से एक नाव लाया था जिसे मजबूरन मुंबई ले जाना पड़ा।

विधायक रुचि दिखाएंगे तो सेवा शुरू कर दी जाएगी

सड़क मार्ग से मांडवी से ओखा की दूरी 450 किमी है जिसे तय करने में 8 घंटे से अधिक समय लगता है जबकि इन दोनों बंदरगाहों को पानी से जोड़ने में एक घंटे से भी कम समय लगता है, इस प्रकार यात्रियों को लचीला बनाए रखता है। मांडवी और ओखा के विधायकों को व्यक्तिगत रुचि दिखाने की जरूरत है ताकि यात्री समुद्री यात्राओं के रोमांच का लुत्फ उठा सकें।

सागरमाला योजना से पर्यटन का विकास हो सकता है घोघा-दहेज रो-रो फेरी भारत सरकार की सागरमाला योजना और गुजरात राज्य के समुद्री बोर्ड के वित्त पोषण से शुरू की गई है। इसी तरह जागरूक नगरवासियों का कहना है कि अगर मांडवी-ओखा बंदरगाह को सागरमाला योजना के तहत जल मार्ग से शामिल कर लिया जाए तो पर्यटन का विकास हो सकता है। चौंकाने वाली बात यह है कि कांडला पोर्ट गुजरात में अन्य जगहों पर फेरी सेवा का संचालन कर रहा है जबकि यह योजना कच्छ में ही दम तोड़ रही है।

वायोर की कंपनी के पास खदान खनिजों की विजिलेंस जांच पूरी

भुज।

अबडासा क्षेत्र में खदानों पर सतर्कता दस्ते द्वारा छापा मारा गया, जिसने वायोर के पास पट्टों का निरीक्षण किया। गांधीनगर सतर्कता दस्ते को शिकायत मिली थी कि कंपनी को मिले इस पट्टे में अवैध खनन हुआ है। लिहाजा 2 दिन की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि सोमवार को गांधीनगर से विजिलेंस पहुंची और वायोर सहित अन्य क्षेत्रों में पट्टों की पैमाइश शुरू कर दी गयी और दो दिनों तक कार्रवाई की चर्चा चलती रही।

यहां अल्ट्राटैक सीमेंट कंपनी को 400 एकड़ में स्लेट व मिट्टी का पट्टा दिया गया है।जिसमें अवैध खनन किया गया था और निजी मालिकों के पट्टे में खनन का भी आरोप लगाया गया था। इतने में गांधीनगर से उड़नदस्ता आ गया। सतावर हलकों ने बताया कि दो दिन की जांच पूरी कर आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर लिए गए हैं और गांधीनगर की टीम द्वारा सर्वे रिपोर्ट भी तैयार कर ली गई है। आगे की कार्रवाई फ्लाइंग स्क्वायड ने शुरू कर दी है।

श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए 51 शक्तिपीठों की परिक्रमा की अवधि एक दिन बढ़ाई गई

बनासकांठा।

उत्तरी गुजरात स्थित आद्यशक्तिपीठ अंबाजी में गब्बर पर 12 फरवरी से 51 शक्तिपीठों की परिक्रमा का आयोजन किया गया है। यह आयोजन पांच दिन का था, लेकिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए बनासकांठा जिला प्रशासन ने परिक्रमा की अवधि बढ़ा दी है। अब पांच दिन के बजाए 6 दिन तक परिक्रमा दर्शनार्थी कर सकेंगे। पहले दो दिन में एक लाख से भी ज्यादा श्रद्धालुओं ने गब्बर की तलहटी में 51 शक्तिपीठों की परिक्रमा की। आज चौथे दिन भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु परिक्रमा कर रहे हैं। गुजरात के अन्य जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अंबाजी पहुंच रहे हैं। परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए पानी, छांछ, नाश्ता और भोजन समेत सेवा कैम्प शुरू किए गए हैं। सामाजिक संस्थाओं के साथ जिला प्रशासन भी कैम्प में सेवा देकर श्रद्धालुओं का स्वागत कर रहे हैं। अंबाजी आनेवाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की तकलीफ ना हो इसके लिए जिला प्रशासन में खास व्यवस्था की है। किसी भी अनिच्छनीय घटना से निपटने के लिए अंबाजी में सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए हैं। श्रद्धालुओं को लाने और ले जाने के लिए रोडवेज बसों की व्यवस्था की गई है। बता दें कि राज्य सरकार ने अंबाजी में 51 शक्तिपीठों की परिक्रमा के लिए आनेवाले श्रद्धालुओं को रोडवेज की बसों के किराए में 50 प्रतिशत की छूट दी है। इसका लाभ लेने वाला यात्रियों को आधार कार्ड की जिरोक्स कॉपी देनी होगी। यह लाभ बनासकांठा, साबरकांठा, पाटण, मेहसाणा, अरवल्ली, गांधीनगर और अहमदाबाद जिले से आनेवाले यात्रियों को मिलेगा।

गांधीधाम के पास कार में से पुलिस ने रू40500 की दारू बरामद की, आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया

गांधीधाम,

गांधीधाम शहर के नजदीक होटल के पास दरवाजा खुली कार में से पुलिस ने रू40500 की शराब बरामद की है। शहर की ए डिविजन पुलिस हाजीपीर होटल के पास सर्विस रोड पर खड़ी थी। तभी सामने से एक कार आने पर पुलिस ने संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास किया तो चालक ने अपनी गाड़ी आगे बढ़ा दी। पुलिस उसका पीछा करते हुए समा होटल के पास कार खड़ी देखी जिसका दरवाजा खुला हुआ था पुलिस ने जब नजदीक जाकर देखा तो आरोपी फरार हो चुका था। खुले दरवाजे वाले कार में तलाशी लेने पर पुलिस को पता चला कि उसमें दारू की बोतले पड़ी हुई हैं। इस कार में से दारू की 108 बोतल जिसकी कीमत रू40500 की शराब जप्त की गई है। यह कार किसकी है और इसे कौन चला रहा था इसकी भी पुलिस जांच कर रही है।

सिरक्रीक से पकड़े गए 8 मछुआरों समेत 16 पाकिस्तानी रिहा किए गए

भुज।

भारत और पाकिस्तान के रिश्तों का सीधा असर दोनों देशों के मछुआरों पर पड़ता है। दोनों देशों के मछुआरों को कई बार गलती से सीमा पार कर जाने के कारण सालों जेल में बिताने पड़ते हैं। भारत ने हाल ही में ऐसे मछुआरों को पाकिस्तान को सौंपा था। भारत ने कच्छ के सर क्रीक से पकड़े गए 8 मछुआरों समेत 16 पाकिस्तानियों को रिहा कर दिया। जो भुज स्थित जेआईसी में कैद था। सबसे खास बात ये है कि इन मछुआरों ने कराची पहुंचकर भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के व्यवहार की तारीफ की! जो भारत के मानवीय दृष्टिकोण को सिद्ध करता है।

पाकिस्तानी जेलों में बंद भारतीय कैदियों को आमतौर पर काफी परेशान किया जाता है। इसके खिलाफ भारत हमेशा अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नियमों का पालन करता है। समय-समय पर गलती से भारतीय सीमा में घुसे मछुआरों को भी रिहा कर दिया जाता है। जंहा इस बात का खुलासा हुआ है कि सर क्रीक इलाके में गलती से भारत में घुसे 8 पाकिस्तानी मछुआरों को पिछले महीने रिहा कर दिया गया था. मछुआरों को भुज में संयुक्त पूछताछ केंद्र में हिरासत में लिया गया था। इन्हें पंजाब के वाघा बॉर्डर से पाकिस्तान भेजा गया था। जो हाल ही में सिंध के कराची पहुंचे थे। जहां परिवार से मुलाकात के दौरान भावुक कर देने वाला दृश्य देखने को मिला। पाकिस्तान की स्थानीय मीडिया ने भी इस घटना का संज्ञान लिया। पाकिस्तान के प्रतिष्ठित डॉन अखबार ने कहा कि सीमा के दोनों ओर गरीब मछुआरे दशकों पुरानी पाकिस्तान-भारत प्रतिद्वंद्विता के सबसे बुरे शिकार हैं। वे सालों तक जेल में रहते हैं। जब मछुआरों को अंतत: रिहा किया जाता है तो उनके परिवार स्वाभाविक रूप से आनन्दित होते हैं। कैद से छूटकर पाकिस्तान पहुंचे इन मछुआरों ने कहा कि भारत में उनके साथ ज्यादा मानवीय व्यवहार किया जाता है।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने कि सूचना (साधारण प्रारूप) न्यायालय श्रीमान प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय जौनपुर उ.प्र. मु.नं. 2188 सन् 2022 धारा 125 सीआर.पी.सी थाना जलालपुर जौनपुर उ.प्र. स्वाती सिंह बनाम प्रसान्त सिंह उर्फ बंटी सिंह बनाम (1) प्रसान्त सिंह उर्फ बंटी सिंह उ. त. 32 वर्ष पुत्र दिनेश सिंह निवासी ग्राम अनेई थाना बड़ागांव जिला वाराणसी हाल पता 7 प्लाट नंबर 49 ओधव वन्दना एयरपोर्ट के सामने संस्कार स्कूल के पास भुज गुजरात 370001 मो.नं. 8469218639, 93745818 19 (विपक्षी)

चुकि उपर नामाकिंत ने इस न्यायलय में यह आवेदन किया जाता है कि अतएव आपको एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती जाति कि आपको आवेदन के खिलाफ संवागित करन के लिये स्वय या सम्पर्क रूपेण अनुदिष्ट अपने अधि वक्ता द्वारा सज्जात द्वारा ही ऐसा करने से असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षी सुना और अवध रित किया जायेगा ।

तारीख पेशी 20-02-2023

आपत्ति / निस्तारण मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित निकाली गयी

(न्यायालय)

नखत्राणा में धुंध की चादर ओढ़ी, मंत्रमुग्ध कर देने वाला माहौल छाया, वाहन चालकों को लाइट जला कर ड्राइव करना पड़ा

भुज।

नखत्राणा नगर और तालुका में आज सुबह से लेकर देर रात तक कोहरे का वातावरण छाया रहा। मांस फट के नाम से विख्यात इस क्षेत्र में हर साल की तरह कोहरे के कारण वातावरण धुंधमय हो गया। जिसके कारण कपास अनार जैसी फसलों को नुकसान होने की आशंका जताई गई। तो सब्जी की फसल में यह लाभकारी पाया गया है। हालांकि घने कोहरे ने सूर्यदेव के दर्शन को अस्पष्ट कर दिया जबकि मोटर चालकों को हैडलाइट के साथ आगे बढ़ना पड़ा।

क्योंकि कच्छ में सबसे अधिक वर्षा पश्चिम कच्छ के नखत्राणा और आसपास के तालुको के ग्रामीण क्षेत्रों में होती है इसलिए इन क्षेत्रों को माकपट के रूप में जाना जाता है। ऐसे में कल सुबह नखत्राणा पंथक में फिर से कोहरा छाने से माहौल खुशनुमा हो गया। ऐसे में कई लोगों ने बताया कि आने-जाने में दिक्कत हो रही है। और किसानों ने बताया कि धुंध के कारण कपास और अनार के फूल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

एसएमसी की भचाऊ में बड़ी कार्यवाही, 50.66 की शराब समेत दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

कच्छ। स्टेट मोनिटरिंग सेल (एसएमसी) ने फिर एक बार बड़ी कार्यवाही करते हुए रु. 55.66 लाख की भारतीय बनावट की विदेशी शराब के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एसएमसी ने यह कार्यवाही कच्छ जिले के भचाऊ के निकट जीआईडीसी से गोदाम में की। गांधीनगर से एसएमसी की दो गाडियां भचाऊ पहुंची और शहर के निकट जीआईडीसी के एक गोदाम में उस वक्त छापेमारी की जब बड़े वाहनों से छोटे वाहनों में शराब की कटिंग की जा रही थी। पुलिस की टीम को देख थोक में विदेशी शराब का धंधा करने वाले अशोकसिंह उर्फ मामा जाडेजा का राइट हेन्ड माना जाता भगीरथसिंह जाडेजा मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल से रु. 50.66 लाख की शराब और चार वाहनों समेत रु. ।356600 मालसामान जब्त कर लिया। साथ ही किशोरसिंह दानुभा सरवैया और प्रहलाद अरजणभाई ठाकोर समेत दो लोगों को गिरफ्तार भी कर लिया। जबकि शिवमसिंह नरेन्द्रसिंह जाडेजा, मोहनसिंह राणा, भूरो ठाकोर, जयंती पेथाजी, रमेश ठाकोर, अरजन कचरा ठाकोर, टैंकर मालिक और चालक, बोलेरो वाहन का ड्राइवर व मालिक महेन्द्र, ट्रैक्टर चालक व मालिक और मोटर साइकिल मालिक को फरार घोषित कर पूरा मामला भचाउ पुलिस कौ सौंप दिया है। पुलिस ने इस केस में कुल 16 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जिसमें मुख्य सूत्रधार समेत 14 आरोपियों को फरार घोषित किया है।

सूरज बारी ओवर ब्रिज के पास वाहन पलटने से सड़क पर बिखरी पोल्ट्री

वाहन के नीचे दबने से कई मुर्गियां मर गईं, चालक को बचाया

कच्छ (भुज)

कच्छ को सौराष्ट्र के साथ जोड़ने वाला सामखियानी ने मोरबी राजमार्ग पर सूरज बारी ब्रिज के नजदीक वाहन अकस्मात की घटना अब रोजाना हो रही हैं। सूरजबरी ब्रिज के नजदीक एक वाहन की दुर्घटना घटित हुई थी। जिसमें मालिया की ओर आ रहा मिनी टेंपो अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। घटना में टेंपो के पीछे का हिस्सा पलट कर सड़क पर गिर गया, जिससे ट्रॉली में लगे मुर्गे ट्रॉली के नीचे दब कर मर गए। कच्छ के सूरज बारी ब्रिज सौभाग्य यह है कि इस घटना के नजदीक आए दिन वाहन दुर्घटना छोटी-छोटी घटनाएं होती रह रही हैं। जिससे वाहन चालकों को यहां बार-बार जाम लगने की समस्या का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बीते दिन मुर्गे से लगी हुई एक मिनी टेंपो के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से कुछ देर के लिए यातायात बाधित हो गया। हालांकि घटना की सूचना मिलते ही पेट्रोलिंग टीम हाईवे पर पहुंची और घायल टेंपो चालक को प्राथमिक उपचार करवा के यातायात नियंत्रित किया।

हाईवे पर बिखर गए और कुछ

संपादकीय

सही सोच अंत समय की

जन्म लिया है तो मृत्यु निश्चित है । यही सोच हर समय मानव को रखकर अपने जीवन को जीना चाहिये । इसके पीछे एक मेरा उद्देश्य यह भी है की मृत्यु होना निश्चित है लेकिन कब , कहाँ आदि होगी इसके बारे में हमको अभी वर्तमान में नहीं पता है । यह केवली भगवान या साधना से लब्धि प्राप्त साधु आदि ही बता सकते है । विगत और आगत दो शब्दों के बीच हमारी जीवन नैया चलती रहती है । हर रोज का जीवन का ये एक हिस्सा है ।हम प्रति पल सावधान रहते हुए अपनी आत्मविशुद्धि के लिए कषायों को उपशान्त करने का प्रयत्न करें ।हमारा चिंतन ये चले कि हमारा प्रमाद हम पर हावी तो नहीं हो रहा है । हम ने जो करना है इसी पल करने की आदत बनाएं बाद में करेंगे कि हमारी भावना न पनपे हम में ।समय की कीमत को जानते हुए हर पल अपना सिंहावलोकन करते रहे ।पता नहीं कौनसा पल हमारे जीवन का आखिरी पल हो ।काल का पहिया तो अनावरत चलता रहता है । यह कभी रुकने वाला नहीं होता हमारे मनुष्य क्षेत्र में । दिन-रात,साल आदि काल परिवर्तनशील है ।समय जो काल की सबसे सूक्ष्म अविभाज्य इकाई है ,वह वर्तमान समय ध्रुव,नित्य व शाश्वत है ।हम उसमें जीना सीखें और अपने प्रमाद पर काबू पाते हुए कषायों को उपशान्त करते हुए आत्मकल्याण करें ।विगत और आगत ,नूतन और पुरातन हम इसमें न उलझकर अपना कर्मों से मुक्त होने की दिशा में अग्रसर होने के लिए प्रयासरत हो निरन्तर। सर्वोत्तम तो है हो कर निर्भय, प्रसन्न मन, अपनाना चाहिए हमें पंडित मरण जान अंत समय में ताकि हमारा जीवन हो जाए सफलतम।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

ड्रीम बजट से मतदाताओं को साधेंगे गहलोत

मुख्यमंत्री के रूप में अशोक गहलोत तीसरी बार अपने 15 साल का कार्यकाल पूरा करने जा रहे हैं। वहीं वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने दसवीं बार राजस्थान का बजट पेश किया है। इस बार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लगातार 3 घंटे 20 मिनट तक बजट भाषण देकर प्रदेश में सबसे लंबा भाषण देने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इस बजट में उन्होंने राजस्थान सरकार के सभी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना में शामिल करने की घोषणा कर कर्मचारियों को एक बड़ा तोहफा दिया है। पिछली बार के बजट में पुरानी पेंशन योजना की घोषणा की गई थी। मगर उसमें राज्य सरकार के विभिन्न बोर्डों, निगमों, आयोग, विश्वविधालयों सहित अन्य संस्थानों में कार्यरत करीबन एक लाख सरकारी कर्मचारी वंचित रह गए थे।

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनावी साल में अपना ड्रीम बजट विधानसभा में पेश कर दिया है। गहलोत सरकार के इस कार्यकाल का यह अंतिम बजट है। इसी वर्ष के अंत में राजस्थान विधानसभा के चुनाव होने हैं। ऐसे में बजट का लोक लुभावना होना स्वाभाविक ही है। अपने बजट में गहलोत ने बजट को लोक लुभावना बनाने में कोई भी कसर नहीं छोड़ी है। मतदाताओं को लुभाने के लिए गहलोत ने जहां बजट में राहतों का पिटारा खोला है वही आमजन के लिए कई नई योजनाओं की घोषणा भी की है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का पूरा प्रयास है कि राजस्थान में हर बार सरकार बदलने के मिथक को तोड़ा जाए। इसी को ध्यान में रखकर गहलोत ने प्रदेश के आम मतदाताओं को बजट के माध्यम से लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। बजट आने से पहले ही मुख्यमंत्री गहलोत ने घोषणा की थी कि उनका इस बार के बजट का पूरा फोकस युवा व महिलाओं पर होगा। जो बजट में देखने को मिल रहा है। बजट में गहलोत ने समाज के किसी भी तबके को राहत देने से वंचित नहीं रखा है। मुख्यमंत्री के रूप में अशोक गहलोत तीसरी बार अपने 15 साल का कार्यकाल पूरा करने जा रहे हैं। वहीं वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने दसवीं बार राजस्थान का बजट पेश किया है। इस बार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लगातार 3 घंटे 20 मिनट तक बजट भाषण देकर प्रदेश में सबसे लंबा भाषण देने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इस बजट में उन्होंने राजस्थान सरकार के सभी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना में शामिल करने की घोषणा कर कर्मचारियों को एक बड़ा तोहफा दिया है। पिछली बार के बजट में पुरानी पेंशन योजना की घोषणा की गई थी। मगर उसमें राज्य सरकार के विभिन्न बोर्डों, निगमों, आयोग, विश्वविधालयों सहित अन्य संस्थानों में कार्यरत करीबन एक लाख सरकारी कर्मचारी वंचित रह गए थे। उन सभी को भी इस बार पुरानी पेंशन योजना में शामिल करने से राजस्थान सरकार के सभी कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना के दायरे में आ गए हैं। कर्मचारियों की लंबे समय से यह मांग थी जिसे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूरा कर कर्मचारियों को पूरी तरह है अपने साथ जोड़ लिया है। जिसका लाभ उन्हें आने वाले विधानसभा चुनाव में मिलते दिख रहा है। दो साल पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान में मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना लांच की थी। जिसमें प्रदेश के सभी लोगों को कैशलेस उपचार की सुविधा देने का प्रावधान किया गया था। गहलोत ने उसी योजना को इस बार बढ़ाकर प्रदेश के हर परिवार को 25 लाख रुपए तक निशुल्क उपचार देने की घोषणा की है। इस योजना में शामिल परिवार को दस लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा का लाभ भी मिलेगा। यह पूरे देश में अपने आप में एक अनूठी योजना है। जिसमें प्रदेश के सभी बीपीएल, अन्नपूर्णा योजना, संविदा कर्मी, नरेगा मजदूर, लघु कृषक सहित काफी परिवार निशुल्क शामिल होते हैं। जबकि 850 रूपये का वार्षिक शुल्क देकर अन्य सभी वंचित परिवार भी इस योजना में शामिल हो सकते हैं। ऐसी योजना देश के अन्य किसी प्रांत में नहीं चल रही है। इस योजना में अब तक लाखों लोग निशुल्क उपचार करवा चुके है। मुख्यमंत्री गहलोत ने राजस्थान की सीमा में सरकारी रोडवेज की बसों में महिलाओं को किराये में 50 प्रतिशत छूट देने की भी घोषणा की है। प्रदेश में 8 हजार आंगनबाड़ी और 2000 मिनी आंगनबाड़ी केंद्र खुलेंगे। कक्षा 1 से 8 तक के स्कूली बच्चों की तर्ज पर आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को भी दो सेट यूनिफार्म दिये जायेगें। पांच लाख नए परिवारों को महिला स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जाएगा। स्कूली बच्चों को अब मिड डे मील में हर दिन दूध मिलेगा। संभाग मुख्यालयों पर 100 महिलाओं और जिला मुख्यालयों पर 50 महिलाओं के लिए इंदिरा गांधी वर्किंग वुमन हॉस्टल खोले जाएंगे। वहीं कामकाजी महिलाओं के लिए 500 प्रियदर्शिनी डे केयर सेंटर खोले जाएंगे। ग्रामीण इलाकों में भी महिलाओं के लिए इंदिरा गांधी महिला हॉस्टल खोले जाएंगे। प्रदेश में 18 गर्ल्स कॉलेज खुलेंगे। जनजाति क्षेत्रों में 250 मां-बाड़ी सेंटर खोले जाएंगे। प्रदेश में वृद्धावस्था पेंशन को भी बढ़ाकर एक हजार रूपये प्रतिमाह कर दिया गया है। राजस्थान की गहलोत सरकार प्रदेश के सीनियर सिटीजन को अयोध्या स्थित रामलाल मंदिर समेत पांच नए तीर्थ स्थल के दर्शन करवाएगी। ये दर्शन वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत करवाये जाएगें। इस योजना के तहत वर्तमान में देश-विदेश के 14 तीर्थ स्थलों पर दर्शन करवाए जा रहे है जिसे बढ़ाकर अब 20 से ज्यादा किया जा रहा है। घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को अब 50 के बजाय 100 यूनिट प्रतिमाह निशुल्क बिजली दी जाएगी। इससे अधिक विद्युत उपयोग करने वाले घरेलू उपभोक्ताओं को टैरिफ के अनुसार पूर्ववत छूट जारी रहेगी। वही किसानों को अपने खेतों में बने ट्यूबवेल पर प्रतिमाह 2000 यूनिट तक बिजली निशुल्क दी जाएगी। उज्जवला योजना में शामिल राजस्थान के 76 लाख परिवारों को 500 रूपये की दर से एक साल में 12 घरेलू गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाए जाएंगे। राजस्थान सरकार के बजट में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस बार यूथ को भी बहुत कुछ दिया है। सबसे बड़ी राहत कॉम्पिटिशन एग्जाम देने वाले कैंडिडेट्स को मिली है। सभी भर्ती परीक्षाओं को मुफ्त करने का फैसला लिया गया है। इसके लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इस फैसले से 50 लाख से ज्यादा कैंडिडेट्स को फायदा होगा। साथ ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए डिजिटल लाइब्रेरी और आवासीय हॉस्टल भी बनेंगे। सबसे बड़ी घोषणा पहली से 12वीं तक के स्टूडेंट के लिए है। इन्हें फी में पढ़ाया जाएगा। सभी जिलों में ऑनलाइन सुविधा युक्त एग्जामिनेशन सेंटर बनाए जाएंगे। प्रतियोगी परीक्षा में अब बायोमेट्रिक तकनीक से अटेंडेंस होगी। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए जिला मुख्यालय पर स्टडी सेंटर के साथ आवासीय हॉस्टल बनेंगे। इसमें 100 युवा एक साथ ठहर सकेंगे। राजस्थान में ब्लॉक मुख्यालयों पर सावित्री बाई वाचनालय और डिजिटल लाइब्रेरी बनाई जाएगी। सरकारी स्कूलों में ट्रांसपोर्ट वाउचर स्कीम शुरू की जाएगी। इसके तहत बच्चे घर से स्कूल और स्कूल से घर तक 75 किलोमीटर तक रोड़वेज बसों में फ्री सफर कर सकेंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा पेश किए गए बजट में निजी वाहनों को टोल मुक्त करने की मांग पूरी नहीं की गई है। लोगों को आशा है बजट पास करते वक्त उस पर भी मुख्यमंत्री कार्यवाही करेंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इन दिनों पूरे कॉन्फिडेंट नजर आ रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कहा है कि वह कभी भी राजनीति से संन्यास नहीं लेंगे। जो इस बात की ओर इशारा है कि जब भी कांग्रेस की सरकार सरकार बनेगी प्रदेश में वही मुख्यमंत्री होंगे। गहलोत को पूरा भरोसा है कि उनके द्वारा पेश किए गए बजट से खुश होकर प्रदेश की जनता अगली बार फिर कांग्रेस की सरकार बनाएगी। अब देखना यह है कि गहलोत की सोच कितनी साकार होती है। प्रदेश की जनता अगली बार फिर कांग्रेस की सरकार बनाती है या कांग्रेस को हराती है। इस बात का पता तो चुनाव के नतीजों के बाद ही चलेगा। बहरहाल मुख्यमंत्री गहलोत बेफिक्र होकर धड़ल्ले से अपनी सियासी पारी खेल रहे हैं।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

चुनाव से पहले राज्यपालों के फेरबदल

(लेखक-कुमार कृष्णन)

चुनावी साल में केंद्र सरकार ने बड़ा फेरबदल करते हुए महाराष्ट्र समेत 12 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में राज्यपालों को बदल दिया है। नगालैंड में जल्द ही चुनाव होने हैं, जहां ला. गणेशन को राज्यपाल बनाया गया है, श्री गणेशन अब तक मणिपुर के राज्यपाल थे। जबकि छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुया उइके को मणिपुर में राज्यपाल बनाकर भेजा गया है। सुश्री उइके और छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार के बीच नए आरक्षण विधेयक को लेकर विवाद चल रहा था। छत्तीसगढ़ में आरक्षण के मुद्दे को लेकर बघेल सरकार और राज्यपाल अनुसुइया उइके के बीच कई बार बयानबाजी हो चुकी है। छत्तीसगढ़ के भूपेश सरकार ने विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर आरक्षण विधेयक बिल पास कर दिया है और इस बिल पर हस्ताक्षर करने के लिए राज्यपाल अनुसुइया उइके के पास भेजा था। लेकिन अब तक इस बिल पर राज्यपाल अनुसुइया उइके ने हस्ताक्षर नहीं किया है। जिसको लेकर कई बार मुख्य भूपेश बघेल राज्यपाल पर हमला बोल चुके हैं।

वहीं राज्यपाल अनुसुइया उइके ने आरक्षण मुद्दे पर एक बयान देते हुए कहा था कि मार्च तक रुकिए जिस पर सीएम भूपेश बघेल ने पलटवार करते हुए कहा था कि मार्च में कोई मुहूर्त है क्या. ऐसे में अभी छत्तीसगढ़ में आरक्षण का मुद्दा ठंडा नहीं हुआ है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में दिसंबर में आरक्षण संशोधन विधेयकों को पारित कर दिया गया, लेकिन राज्यपाल उइके ने उन पर हस्ताक्षर नहीं किए। पिछले साल दिसंबर से लेकर अब तक इस विवाद का कोई समाधान नहीं निकला है और अब राज्यपाल ही बदल दिए गए हैं। अब नए राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन इस मामले पर क्या रुख अख्तियार करते हैं,ये देखना होगा। श्री हरिचंदन अब तक आंध्रप्रदेश के राज्यपाल थे।

महाराष्ट्र में भी राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच का टकराव काफी वक्त तक चर्चा में रहा, खासकर उद्धव ठाकरे के कार्यकाल में। महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे भगत सिंह कोश्यारी केवल 3 साल महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे, लेकिन इन तीन सालों में कई विवादों में वे घिरे। 2019 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद श्री कोश्यारी ने 23 नवंबर, 2019 को तड़के देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार को मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद की शपथ जिस तरह से दिलाई थी, उससे बड़ा विवाद खड़ा हो गया था।

हालांकि ये सरकार टिक ही नहीं पाई। अजीत पवार ने शरद पवार की बात मान कर भाजपा का साथ छोड़ा, इसके बाद शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के महाविकास अघाड़ी गठबंधन की सरकार बनी, जिसमें उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने। लेकिन श्री ठाकरे विधानसभा के किसी सदन के सदस्य नहीं थे, और उन्हें उच्च सदन का सदस्य नियुक्त करने में भगत सिंह कोश्यारी ने काफी वक्त लिया था। जिस पर कई सवाल उठे थे। इसके बाद श्री कोश्यारी और राज्य सरकार के बीच कई मामलों को लेकर टकराव चलता रहा। शिवसेना ने उन्हें बार-बार भाजपा का एजेंट बताया। लेकिन सबसे बड़ा विवाद तब खड़ा हुआ, जब शिवाजी महाराज को पुराने समय का प्रतीक श्री कोश्यारी ने बताया। इसके बाद महाराष्ट्र के कई राजनैतिक दलों ने उन्हें निशाने पर लिया। श्री कोश्यारी को बार-बार अपनी सफाई देनी पड़ी। भाजपा भी रक्षात्मक मुद्रा में आ गई। और बात बढ़ते-बढ़ते श्री कोश्यारी के इस्तीफे की मांग तक जा पहुंची। कुछ वक्त पूर्व श्री कोश्यारी ने खुद ही इस्तीफे की इच्छा जतलाई थी और अब आखिरकार वे पद से मुक्त हो ही गए। अब उनकी जगह झारखंड के राज्यपाल रहे रमेश बैस ने महाराष्ट्र के राज्यपाल का पद संभाला है। श्री बैस किस तरह शिंदे सरकार के साथ-साथ महाविकास अघाड़ी के घटक दलों को संभालते हैं और विवादों पर विराम लगाते हैं, ये देखना दिलचस्प होगा।

झारखंड में दसवें राज्यपाल के तौर पर बैस का करीब एक साल आठ महीने का कार्यकाल राजनीतिक विवादों के लिए चर्चित रहा।तकरीबन एक दर्जन से भी ज्यादा मौकों पर राज्यपाल रमेश बैस और राज्य की मौजूदा हेमंत सोरेन सरकार के बीच विवाद, टकराव और परस्पर असहमति के हालात बने। एक तरफ जहां राज्यपाल ने झारखंड में ट्राइबल एडवाइजरी कमेटी के गठन के मुद्दे पर राज्य सरकार द्वारा उनके अधिकारों के अतिक्रमण की शिकायत केंद्र तक पहुंचाई, तो दूसरी तरफ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्य के सत्तारूढ़ गठबंधन ने उनपर लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने और राज्य में राजनीतिक अनिश्चितता का माहौल पैदा करने के आरोप लगाए। राज्यपाल रमेश बैस के किसी वक्तव्य, बयान या फैसले से ज्यादा एक महत्वपूर्ण मसले पर उनकी चुप्पी और अनिर्णय ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार के लिए सबसे ज्यादा मुश्किलें खड़ी कीं। यह मसला मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम पर पत्थर खदान की लीज आवंटन पर खड़ा हुए विवाद से जुड़ा है। सीएम रहते हुए खदान की लीज लेने पर इसे ऑफिस ऑफ प्रॉफिट का मामला बताते हुए हेमंत सोरेन की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की मांग को लेकर बीते साल फरवरी में भाजपा राज्यपाल रमेश बैस के पास पहुंची थी। राज्यपाल ने भाजपा की इस शिकायत पर केंद्रीय चुनाव आयोग से मंतव्य मांगा। इस पर आयोग ने शिकायतकर्ता भाजपा और हेमंत सोरेन को नोटिस जारी कर इस मामले में उनसे जवाब मांगा। दोनों के पक्ष सुनने के बाद चुनाव आयोग ने बीते साल 25 अगस्त को राजभवन को सीलबंद लिफाफे में अपना मंतव्य भेज दिया था।

अनऑफिशियली ऐसी खबरें तैरती रहीं कि चुनाव आयोग ने हेमंत सोरेन को दोषी मानते हुए उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द करने की सिफारिश की है और इस वजह से उनकी मुख्यमंत्री की कुर्सी जानी तय है।

राज्यपाल रमेश बैस ने चुनाव आयोग से आए सीलबंद लिफाफे पर चुप्पी साधे रखी और इससे राज्य में सियासी सस्पेंस और भ्रम की ऐसी स्थिति बनी कि सतारूढ़ गठबंधन को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति एकजुटता जताने के लिए डिनर डिप्लोमेसी और रिजॉर्ट प्रवास तक के उपक्रमों से गुजरना पड़ा।

चुनाव आयोग की चिट्ठी के अनुसार राज्यपाल की ओर से किसी संभावित प्रतिकूल फैसले की आशंका के चलते हेमंत सोरेन सरकार को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर विश्वास मत का प्रस्ताव तक पारित करने की मशक्कत करनी पड़ी। इतने सब के बावजूद राज्यपाल रमेश बैस ने चिट्ठी का रहस्य नहीं खोला।बीते एक साल आठ महीने में एक दर्जन से भी ज्यादा मौके आए, जब राज्यपाल रमेश बैस ने सरकार के निर्णयों से लेकर सरकार की ओर से विधानसभा में पारित किए गए विधेयकों पर सवाल उठाये हैं। बीते साल फरवरी महीने में उन्होंने राज्य में ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल (टीएसी) के गठन को लेकर राज्य सरकार द्वारा बनायी गयी नियमावली पर कई सवाल उठाये थे। उन्होंने इस नियमावली को संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत और राज्यपाल के अधिकारों का अतिक्रमण बताते हुए केंद्र के पास शिकायत की थी। उन्होंने टीएसी की नियमावली और इसके गठन से संबिधत फाइल राज्य सरकार को वापस करते हुए इसमें बदलाव करने को कहा था। इस मसले पर राजभवन और सरकार का गतिरोध आज तक दूर नहीं हुआ। इसके अलावा राज्यपाल रमेश बैस ने झारखंड विधानसभा में सरकार द्वारा पारित विधेयकों को विभिन्न वजहों से सरकार को लौटाने के मामले में भी रिकॉर्ड बनाया।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी, सदस्यों की गोपनीयता,केंद्र की शर्त?

(लेखक-सनत कुमार जैन)

केंद्र सरकार हिंडन बर्ग अडानी प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच समिति बनाने पर सहमत हो गई है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सालिस्टर जनरल तुषार मेहता ने कहा, सरकार को निवेशकों की सुरक्षा निश्चित करने के लिए समिति बनाने में कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने सरकार की ओर से यह भी कह दिया, कि वह समिति के विशेषज्ञों के नाम का सुझाव सील बंद लिफाफे में कोर्ट को प्रस्तुत कर देंगे। सील बंद लिफाफे की गोपनीयता का अनुरोध भी सरकार की ओर से, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में किया। सरकार की आशंका से सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया की कमेटी के सदस्यों के नाम जाहिर हो जाने से निवेशकों को नुकसान हो सकता है। अडानी समूह के शेयरों को कृत्रिम तरीके से गिराने में उनका उपयोग हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने 17 फरवरी को मामले की सुनवाई करने और सरकार द्वारा 17 फरवरी को सीलबंद लिफाफे में नाम प्रस्तुत करने की सहमति सुप्रीम कोर्ट में है इससे स्पष्ट है कि अब आगे चलकर यह मामला सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में निवेशकों के हितों को सुरक्षित किए जाने की दिशा में नियम कानून बना सकेगा। अडानी समूह की काली छाया शेयर बाजार पर पिछले 2 सप्ताह से केंद्र सरकार अडानी समूह का बचाव करते हुए नजर आ रही है। लोकसभा-राज्यसभा में सरकार विपक्ष की जेपीसी की मांग को स्वीकार नहीं कर रही है। ना ही इस मामले में चर्चा कराने के लिए तैयार हुई। इस बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देशों में अडानी समूह के लेनदेनपर रोक लगाने, रैंकिंग एजेंसियों द्वारा रैंकिंग घटाने, अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा आंतरिक जांच शुरू करने, विदेशी निवेशकों द्वारा पैसा निकाला जा रहा है। देश के प्रमोटर भी अडानी समूह की कंपनियों के शेयर के गिरते दामों के बाद चुप्पी साध लेने से शेयर बाजार में अडानी समूह की काली छाया स्पष्ट रूप से देखी जा रही है। अडानी समूह के 46 लाख निवेशक अपने शेयर बेचने में लग गए हैं। शेयर बाजार में 1 करोड़ 20 लाख एक्टिव शेयर निवेशक हैं। वह भी घबराहट में अडानी समूह की कंपनियों के शेयर बेंच रहे हैं। म्यूचल फंड, एलआईसी, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का पैसा अडानी समूह की कंपनियों में लगा हुआ है। भारतीय स्टेट बैंक आरे राष्ट्रीयकृत बैंकों ने अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों में बाजार मूल्य पर कर्ज दिया है। शेयर बैंकों के पास बंधक हैं। 50 फीसदी से ज्यादा शेयर के मूल्य गिर जाने से भारतीय बैंक, जीवन बीमा निगम, म्युचल फंड जैसी वित्तीय संस्थाओं की हालत भी अडानी समूह की कंपनियों जैसी हो सकती है। समय-समय पर जो निवेशक अडानी की कंपनियों में निवेश करते थे। अब वह भी हाथ बांधकर बैठ गए हैं। ऐसी स्थिति में जब विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में निवेश नहीं कर रहे हैं। भारतीय शेयर बाजार को लेकर विश्व स्तर पर आशंका का वातावरण बन गया है। भारत सरकार और सुप्रीम कोर्ट ने शेयर बाजार में निवेश को लेकर विश्वास जागृत नहीं किया तो, हर्षद मेहता कांड जैसी स्थिति शेयर बाजार की कभी भी हो सकती है। सरकार और सुप्रीम कोर्ट, को इस संवेदनशील मसले पर ध्यान देने की जरूरत है। बंद लिफाफे या कार्रवाई में निष्पक्षता नहीं बरती गई, तो निवेशकों का विश्वास बनाए रखना मुश्किल होगा।

नई टिहरी वर्तमान का शहर

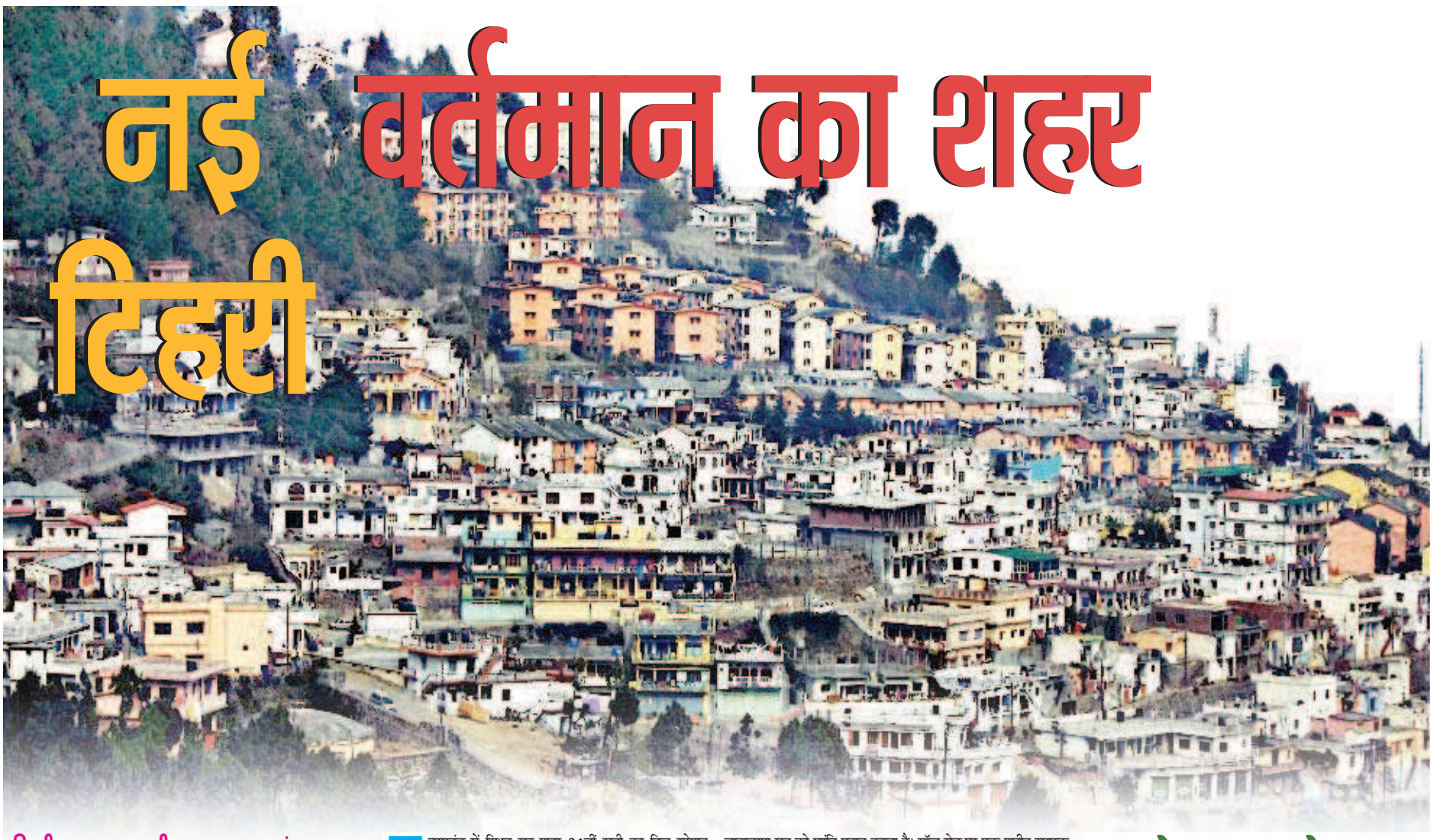

टिहरी गढ़वाल भारतीय राज्य उत्तराखंड का एक जिला है। इसके अतिरिक्त टिहरी उत्तराखंड का सबसे बड़ा जिला है। पर्वतों के बीच स्थित यह जगह काफी खूबसूरत है। हर वर्ष काफी संख्या में पर्यटक यहां पर घूमने के लिए आते हैं। यह स्थान धार्मिक स्थल के रूप में भी काफी प्रसिद्ध है। यहां आप चम्बा, बुदा केदार मंदिर, कैम्पटी फॉल, देवप्रयाग आदि स्थानों में घूम सकते हैं। यहां की प्राकृतिक खूबसूरती काफी संख्या में पर्यटकों को अपनी ओर खिंचती है। कुछ सालों पहले ही बनी नई टिहरी धीरे-धीरे पर्यटकों को अपनी ओर लुभाने में कामयाब तो हो रही है लेकिन पुराने पर्यटकों के दिमाग में आज भी पुरानी टेहरी ही इससे ज्यादा खूबसूरत थी। हालांकि जब नई टिहरी को बसाने का काम शुरु किया गया तब सरकार द्वारा पूरी कोशिश की गई है कि नई टिहरी में भी पुरानी झलक यहां आने वाले पर्यटकों को दिखे।

उत्तराखंड में स्थित यह शहर 21वीं सदी का हिल स्टेशन कहा जा सकता है। सागरतल से 1800 मीटर की ऊंचाई पर बसा शहर भागीरथी नदी पर बने टिहरी डैम के निकट पहाड़ियों पर बसा है। इस आधुनिक शहर का इतिहास बस इतना है कि देश के विकास के लिए बने विशाल बांध के जलाशय में जलमग्न होने वाले प्राचीन टिहरी शहर के विस्थापितों के लिए नई टिहरी शहर बसाया गया था। इस शहर को योजनाबद्ध तरीके से बनाया गया है। इसलिए यहां के घर, फ्लैट, कार्यालय और बाजार समरूपता लिए हुए हैं। यही इस पर्वतीय शहर की विशेषता है।

प्रकृति की खूबसूरती से भरपूर नई टिहरी स्वास्थ्यवर्द्धक आबोहवा का धनी है। इस शहर का कोई अतीत नहीं है। यहां केवल वर्तमान है। जो नए आलीशान मंदिर, गुरुद्वारे, मसजिद और चर्च के रूप में नजर आता है। शहर के बीच से गुजरता मुख्य मार्ग यहां का मॉल रोड कहलाने लगा है, जिसके आसपास साफ सुथरा बाजार है। यहीं कुछ रेस्टोरेंट भी हैं। सैलानी इसी मार्ग पर चहलकदमी करते हुए दूर तक निकल जाते हैं। दुकानों आदि का क्रम खत्म होने के बाद इस पर घने पेडों का सिलसिला शुरू हो जाता हैए जहां शीतल हवाओं से भरा वातावरण मन को शांति प्रदान करता है। मॉल रोड पर एक शहीद स्मारक है। एक बड़े पत्थर पर उन शहीदों के नाम अंकित हैं, जिनकी स्मृति में यह स्मारक बना है।

नई टिहरी की सबसे ऊंची पहाड़ी पर एक मनोरम स्थान है। यहां से पर्यटकों को हिमाच्छादित पर्वतों का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है। इसलिए लोगों ने इस स्थान को स्नो व्यू का नाम दे दिया। यह स्थान एक

पिकनिक स्पॉट के समान है। एकाकीपन की तलाश में आए सैलानी यहां घंटों बैठ कर प्राकृतिक दृश्य निहारते रहते हैं। इस स्थान से कुछ दूर देव दर्शन नामक स्थान है। यहां एक मंदिर है। नई टिहरी के सभी मंदिर नए हैं, लेकिन इनमें स्थापित प्रतिमाएं पुराने टिहरी शहर के मंदिरों से लाकर यहां प्रतिष्ठित की गई हैं। इस स्थान से टिहरी बांध की विस्तृत झील का मोहक दृश्य देखते ही बनता है।

नए शहर का दूसरा हिस्सा बौराडी है। यह कुछ नीचे की पहाड़ी पर बसा है। यहां कुछ मंदिर हैं और एक भव्य गुरुद्वारा है। पुराने टिहरी शहर की स्मृतियों को बनाए रखने के लिए यहां एक क्लॉक टॉवर बनाया गया है। इसके निकट ही यहां का स्टेडियम स्थित है। घुमावदार सडकों के अलावा नई टिहरी में नीचे से ऊपर की ओर कई सीढीनुमा मार्ग भी हैं। इसलिए इसे सीढ़ियों का शहर कहना गलत न होगा। भागीरथी पुरम के पास टॉप टैरेस नामक स्थान भी सैलानियों को आकर्षित करता है। यहां से भी विस्तृत झील का दृश्य बड़ा मनोहारी प्रतीत होता है। नई टिहरी से 11 किलोमीटर दूर उत्तराखंड का प्राचीन शहर चंबा स्थित है। नई टिहरी अब धीरे-धीरे सप्ताहांत की शानदार सैरगाह बनता जा रहा है।

कोलाहल से दूर कुदरती सौंदर्य का शहर रानीखेत

रानीखेत को पहाड़ों की रानी भी कहा जाता है। प्रकृति का अनुपम सौंदर्य रानीखेत के कण-कण में बिखरा पड़ा है। यहां पर दूर-दूर तक फैली घाटियां, घने जंगल तथा फूलों से ढंके रास्ते व ठंडी मस्त हवा पर्यटकों का मन बरबस ही मोह लेती है। रानीखेत की खास बात यह है कि यहां पर लोगों का कोलाहल व भीड़भाड़ बहुत कम है। यकीन जानिए यहां पहुंचने के बाद पर्यटक स्वयं को प्रकृति के निकट पाता है।

अंग्रेजों के शासन के दौरान अंग्रेजी फौज की छावनी रहे इस क्षेत्र में कुमांऊ रेजीमेंट का मुख्यालय भी है। छावनी क्षेत्र होने के कारण एक तो यहां वैसे ही साफ-सफाई रहती है दूसरे यहां पर प्रदूषण की मात्रा भी अन्य जगहों की अपेक्षा बहुत कम है। चलिए सबसे पहले आपको लिए चलते हैं चौबटिया। चौबटिया में बहुत ही सुंदर बागबगीचे हैं। यहां पर स्थित सरकारी उद्यान व फ्ल अनुसंधान केंद्र भी देखने योग्य हैं। यहां पर पास में ही एक जल प्रपात है, जिसके ऊंचाई से गिरते संगमरमर जैसे पानी का दृश्य आपका मन मोह लेगा।

द्वाराहाट रानीखेत से लगभग 32 किमी की दूरी पर स्थित है। द्वाराहाट पुरातात्विक दृष्टि से भी अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। कभी कत्यूरी वंश के शासकों की राजधानी रहे इस स्थल पर पूरे 65 मंदिर हैं जोकि तत्कालीन कला के बेजोड़ नमूने के रूप में विख्यात हैं। बदरीकेदार मंदिर, गूजरदेव का कलात्मक मंदिर, पाषाण मंदिर और बावड़ियां पर्यटकों को अपने अतीत की गाथा सुनाते हुए लगते हैं। यहां स्थित मंदिरों में से विमांडेश्वर महादेव का प्राचीन मंदिर एवं कुबेर की विशालकाय मूर्ति देखना न भूलें।

रानीखेत से 6 किमी की दूरी पर स्थित है उपत एवं कालिका। यहां पर गोल्फका विशाल मैदान है। हरी-हरी घास से भरे इस मैदान में गोल्फ खेलने का आनंद ही कुछ और है। कालिका में कालीदेवी का प्रसिद्ध मंदिर भी है। अब आप दूनागिरी जा सकते हैं। द्वाराहाट से लगभग 14 किमी की दूरी पर स्थित दूनागिरी से आप हिमालय की बर्फ से ढंकी चोटियों के मनोहारी दर्शन कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यहां पर 1181 के शिलालेख भी पाए गए हैं। दूनागिरी में चोटी पर दुर्गा जी सहित अन्य कई मंदिर भी हैं जहां पर आसपास के लोग बड़ी संख्या में आते हैं। इस स्थान को पर्यटन के लिहाज से सर्वश्रेष्ठ भी कहा जा सकता है।

शीतलाखेत को आप पर्यटक गांव भी कह सकते हैं। यहां तक आने के लिए आप रानीखेत व अल्मोड़ा से सीधी बस सेवा का भी लाभ उठा सकते हैं। ऊंचाई पर शांत व खूबसूरत नजारों से भरे दृश्य पर्यटकों को भा जाते हैं। ट्रैकिंग की दृष्टि से भी यह अच्छा स्थल है। आप चिलियानौला भी घूमने जा सकते हैं। यहां पर हेड़ाखान बाबा का भव्य मंदिर है। कहते हैं कि इस आधुनिक मंदिर में देवी-देवताओं की कलात्मक मूर्तियां देखने लायक हैं। द्योलीखेत का मैदान तीन ओर से पर्वतों से घिरा हुआ है। इसके एक ओर देवदार तथा चीड़ के वृक्ष इस स्थल की सुंदरता में चार चांद लगा देते हैं।

खड़ी बाजार रानीखेत का मुख्य बाजार है। एक ओर से उठे होने के कारण ही शायद इसका नाम खड़ी बाजार पड़ा। इस बाजार के दोनों ओर दुकानें हैं जहां से आप रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने वाले सामानों के साथ ही स्थानीय काष्ठकला की वस्तुएं भी खरीद सकते हैं। ट्रैकिंग में दिलचस्पी रखने वाले पर्यटकों के लिए रानीखेत के आसपास कई ऐसे स्थान हैं जहां पर ट्रैकिंग करके आप अपनी यात्रा को रोमांचक बनाने के साथ ही यादगार भी बना सकते हैं।

आसपास के दर्शनीय स्थानों की सैर पर जाने के लिए आपको यहां से निर्धारित दरों पर टैक्सी मिल सकती हैं। यदि आप भारवाहकों की सेवा लेने चाहें तो दाम पहले ही तय कर लें। बस सेवा कुछ ठीकठाक नहीं कही जा सकती। अप्रैल व जून तथा सितंबर से नवंबर के बीच आप जब भी चाहें, रानीखेत घूमने जा सकते हैं क्योंकि यह माह यहां की सैर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त समय है। रानीखेत आप जब भी जाएं, ऊनी कपड़े साथ रखना नहीं भूलें।

बाइडन के कार्यकाल में भारत के साथ व्यापारिक रिश्ते मजबूत हुएः अमेरिका

वाशिंगटन । (एजेंसी)

अमेरिकी विमान कंपनी बोइंग से विमान खरीदने के एयर इंडिया के ऐलान का अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत करते हुए कहा है कि राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में भारत एवं अमेरिका के व्यापारिक संबंधों में बहुत प्रगति हुई है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस ने कहा था कि बोइंग से 34 अरब डॉलर मूल्य के 220 विमानों की खरीद भारतीय एयरलाइंस एयर इंडिया करने जा रही है। इसके अलावा आगे चलकर 70 अन्य विमानों की खरीद भी की जा सकती है जिससे इस सौदे का मूल्य बढ़कर 45.9 अरब डॉलर हो जाएगा। अमेरिका की व्यापार मंत्री गिना रेमोंदो ने कहा कि यह सौदा कीमत के लिहाज से बोइंग को मिला तीसरा सबसे बड़ा ऑर्डर है और यह अमेरिका के कामगारों, विनिर्माताओं एवं आपूर्तिकर्ताओं के लिए एक बड़ा मौका है। यह सौदा भारत एवं अमेरिका के बीच पुराने एवं गहरे व्यापारिक संबंधों की दोबारा पुष्टि करता है। वह अगले महीने भारत की यात्रा पर जाने वाली हैं जहां पर वह उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ कई मुद्दों पर बात करेंगी। इनमें भारत-प्रशांत समृद्धि आर्थिक प्रारूप का मसला भी शामिल होगा। अमेरिका की व्यापार प्रतिनिधि सारा बियांशी ने भी बोइंग-एयर इंडिया सौदे को एक बड़ा कदम बताते हुए कहा कि पेकान जैसे कुछ उत्पादों पर आयात शुल्क घटाने और औद्योगिक इस्तेमाल वाले इथेनॉल पर शुल्क पूरी तरह खत्म करने के भारत के कदम के बाद यह घोषणा होना रिश्तों को मजबूती देता है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया गिरावट पर बंद हुआ। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले चार पैसे की गिरावट के साथ ही 82.82 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से रुपये में सुधार से गिरावट पर कुछ अंकुश लगा। आरंभिक हानि के बीच अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.90 पर गिरावट के साथ खुला। शेयर बाजार में तेजी के बाद रुपये का शुरआती नुकसान कुछ कम हुआ और कारोबार के अंत में यह अपने पिछले बंद भाव की तुलना में चार पैसे की गिरावट के साथ ही 82.82 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं गत कारोबारी सत्र में रुपया 82.78 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान रुपया 82.79 के उच्चस्तर और 82.90 के निचले स्तर पर पहुंचा। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला वाला डॉलर सूचकांक 0.21 फीसदी बढ़कर 103.45 पहुंच गया।

एचडीएफसी बांड से 25,000 करोड़ जुटाएगी!

नई दिल्ली । आवास वित्त कंपनी हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनैंस कॉर्पोरेशन (एचडीएफसी) इस हफ्ते 10 साल का बांड जारी कर कुल 25,000 करोड़ रुपए तक जुटाने पर विचार कर रही है। सूत्रों ने बताया कि यह किसी कंपनी द्वारा की जाने वाली सबसे बड़ी नियोजित बॉन्ड बिक्री है। एचडीएफसी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि हमने 5,000 करोड़ रुपए के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जारी किए हैं जिसमें 20,000 करोड़ रुपए तक के अतिरिक्त बॉन्ड जारी करने भी विकल्प रखा गया है। इस रकम का उपयोग हम अपनी कारोबारी जरूरतों को पूरा करने में करेंगे। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों से पता चलता है कि अगर एचडीएफसी की पूरी नियोजित बॉन्ड बिक्री सफल रहती है तो यह किसी भी भारतीय कंपनी द्वारा अभी तक की गई सबसे बड़ी बॉन्ड बिक्री होगी। सूत्रों ने कहा कि बॉन्ड 7.97 फीसदी ब्याज दर पर जारी किए जा सकते हैं। 10 साल के सरकारी बेंचमार्क बॉन्ड का प्रतिफल 7.37 फीसदी चल रहा था। एचडीएफसी की नियोजित बॉन्ड बिक्री एचडीएफसी बैंक के साथ कंपनी के विलय से पहले की जा रही है। अप्रैल 2022 में एचडीएफसी बैंक ने कहा था कि वह 40 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर एचडीएफसी का विलय करेगा। शुरुआत में यह विलय अगले वित्त वर्ष की दूसरी या तीसरी तिमाही में पूरा होने की उम्मीद जताई गई थी। मगर बाद में एचडीएफसी बैंक के शीर्ष अधिकारियों ने कहा था कि विलय तय समय से पहले पूरा हो सकता है। कुछ विश्लेषकों ने उम्मीद जताई है कि विलय प्रक्रिया अप्रैल-जून तक पूरी हो सकती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई । (एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। इसके साथ ही सप्ताहिक एक्सपायरी से पहले शेयर बाजार में शॉर्ट कवरिंग देखने में आया। इससे रियल्टी, आईटी और ऑटो शेयरों में खरीदारी रही। इसके साथ ही इंफा, और मेटल इंडेक्स भी बढ़त पर बंद हुए। वहीं एफएमसीजी और फार्मा शेयरों पर दबाव आया। कारोबार के अंत में तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 242.83 अंक करीब 0.40 फीसदी ऊपर आकर 61275.09 पर बंद हुआ। वहीं, पचास शेयरों वाला एनएसई (निफ्टी) 86 अंक तकरीबन 0.48 फीसदी उछलकर 18015.85 पर बंद हुआ है. आज के कारोबार में टेक महिन्द्रा , अपोलो अस्पताल, इशर मोटर, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आडानी इंटरप्राइजेस निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे जबकि एचयूएल , सन फार्मा, आईटीसी, एलएंडटी व ओएनजीसी के शेयरों को नुकसान हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। वै श्विक बाजार के दबाव में घरेलू निवेशकों ने भी बुधवार सुबह जमकर

बिकवाली की और लगातार मुनाफावसूली से गिरावट दिखने लगी। शुरुआती कारोबार में ऑटो सेक्टर में तेजी दिखी है तो एफएमसीजी में कमजोरी नजर आ रही है। सेंसेक्स सुबह 42 अंकों के नुकसान के साथ 60,990 पर खुला और कारोबार शुरू किया जबकि निफ्टी 33 अंक गिरकर 17,897 पर खुला और कारोबार शुरू किया। निवेशकों का सेंटिमेंट शुरुआत से ही निगेटिव दिख रहा था और उनका पूरा जोर मुनाफावसूली पर दिखा।

वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी दरों को 25 बेसिस अंक या 0.25 फीसदी तक बढ़ाने का फैसला लिया है। एसबीआई ने 2 करोड़ रुपये तक की एफडी पर ब्याज बढ़ा दिया है। बैंक की वेबसाइट से मिली जानकारी के अनुसार एफडी पर एसबीआई की संशोधित दरें 15 फरवरी से लागू होंगी। 2023 से प्रभावी हो गई हैं.

वहीं देश का निर्यात जनवरी के महीने में 6.58 फीसदी गिरकर 32.91 अरब डॉलर पर आ गया जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 35.23 अरब डॉलर पर रहा था।

सोने और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 475 रुपये की गिरावट आई ओर ये 56,345 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 56,820 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत भी 195 रुपये नीचे आकर 65,925 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थीं। वहीं दिल्ली में सोने की हाजिर कीमत 475 रुपये की गिरावट के साथ 56,345 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गयी। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना नुकसान के साथ ही 1,834 डॉलर प्रति औंस रह गया, जबकि चांदी भी नुकसान के साथ 21.58 डॉलर प्रति औंस रह गई।

दो घंटे के अंदर हजारों कर्मचारियों को निकाला अच्छा आईडिया नहीं

सैन फ्रांसिस्को । सेल्सफोर्स के सीईओ मार्क बेनिओफ ने स्वीकार किया है कि दो घंटे के अंदर हजारों कर्मचारियों की छंटनी करना अच्छा आइडिया नहीं था। सॉफ्टवेयर कंपनी सेल्सफोर्स ने जनवरी में अपने 10 प्रतिशत कार्यबल को निकाल दिया था, इससे 7,000 कर्मचारी प्रभावित हुए। साक्षात्कार में, बेनिओफ ने कहा कि ये अच्छा आईडिया नहीं था। उन्होंने कहा, हम स्थिति साफ करने की कोशिश कर रहे हैं। इतने बड़े समूह के साथ इस तरह फैसला मुश्किल भरा है और क्या यह प्रभावी है और हमने इसकी कीमत चुकाई है। सेल्सफोर्स के कर्मचारियों ने बैठक के दौरान बेनिओफ की आलोचना की थी। इस महीने की शुरुआत में, सेल्सफोर्स के कई कर्मचारियों को पता चला कि उन्हें निकाल दिया गया है, क्योंकि कंपनी ने 7,000 कर्मचारियों या उसके 10 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी थी। लगभग 4,000 लोग दो दिनों के भीतर सेल्सफोर्स के स्लैक चैनल से गायब हो गए। वार्न नोटिस के अनुसार, सैन फ्रांसिस्को में, छंटनी के दौर में 258 कर्मचारी प्रभावित हुए, जिससे बिक्री और ग्राहक सेवा, प्रौद्योगिकी और उत्पाद और सामान्य प्रशासन प्रभावित हुए। आयरलैंड में कंपनी के 2,100 कर्मचारियों में से 200 को निकाला गया।

अब टीवी में ही लगा आएगा सेटटॉप बॉक्स

नई दिल्ली । केंद्र सरकार अब एक ऐसी योजना पर काम कर रही है जिसमें टेलौ विजन में अलग से सेटटॉप बॉक्स की जरूरत नहीं होगी। ये बॉक्स टीवी में पहले से ही लगा आएगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि इस योजना पर तैयारी की जा रही है। ठाकुर ने कहा कि फ्री सैटलाइट डिश पर मुफ्त में मिल रहे मनोरंजन चैनल करोड़ों लोग देखते हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ठाकुर ने कहा कि मैंने अपने विभाग में नई शुरुआत की है। अगर आपके टीवी में पहले से ही सेट टॉप बॉक्स बिल्ड है तो अब आपको अलग से सेट टॉप बॉक्स लगाने की जरूरत नहीं है। इस सेट टॉप बॉक्स में आप 200 चैनल देख सकते हैं। गौरतलब है कि ठाकुर ने दिसंबर 2022 में इलेक्ट्रॉनिक्स एंट टेक्नलॉजी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर टीवी बनाने वाली कंपनियों को टीवी के अंदर ही सेट टॉप बॉक्स लगाने का आग्रह किया था। गौरतलब है कि ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्रियल स्टैंडर्ड ने इस बाबत पहले ही आदेश जारी किया। टीवी में पहले से लगे सेट टॉप बॉक्स में फ्री टू एयर चैनल बिल्कुल मुफ्त दिखेंगे। हालांकि वैष्णव के मंत्रालय ने अभी इस बारे में कोई फैसला नहीं किया है।

अमेरिका में 10.507 मिलियन बैरल बढ़ा कच्चे तेल का भंडारः एपीआई

ह्यूस्टन । (एजेंसी)

अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट (एपीआई) ने शुक्रवार को समाप्त सप्ताह के लिए अमेरिकी इन्वेंट्री में 10.507 मिलियन बैरल कच्चे तेल में बढ़ोतरी दर्ज की है। विश्लेषकों ने इस सप्ताह के लिए 0.321 मिलियन बैरल की बढ़ोतरी की उम्मीद की थी। एपीआई ने पिछले सप्ताह में 2.184 मिलियन बैरल की गिरावट दर्ज की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा अपने सामरिक पेट्रोलियम रिजर्व से अधिक कच्चे तेल जारी करने की बात कहने के बाद तेल की कीमतों में गिरावट आई। न्यूयॉर्क मर्केंटाइल एक्सचेंज में मार्च डिलीवरी के लिए वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट 1.08 अमेरिकी डॉलर या 1.35 प्रतिशत गिरकर 79.06 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। लंदन आईसीई फ्यूचर्स एक्सचेंज में अप्रैल डिलीवरी के लिए ब्रेंट क्रूड 1.03 डॉलर गिरकर 85.58 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। अमेरिकी ऊर्जा विभाग ने हाल ही में कहा था कि वह रिजर्व से 26 मिलियन बैरल कच्चा तेल बेचेगा। विभाग ने कहा कि तेल की आपूर्ति एक अप्रैल से 30 जून तक होगी। व्यापारियों को अमेरिकी ईंधन भंडार पर डेटा का इंतजार है क्योंकि ऊर्जा सूचना प्रशासन बुधवार को अपनी साप्ताहिक पेट्रोलियम स्थिति रिपोर्ट जारी करेगा।

एसएंडपी ग्लोबल कमोडिटी इनसाइट्स द्वारा सर्वेक्षण किए गए विश्लेषकों को उम्मीद है कि रिपोर्ट अमेरिकी कच्चे तेल की आपूर्ति में 6,00,000 बैरल की वृद्धि दिखाएगी।

डीमैट खातों की संख्या जनवरी में बढ़ी

मुंबई। पिछले महीने जनवरी में डीमैट खातों की संख्या बढ़कर 11 करोड़ पर पहुंच गई है। सालाना आधार पर यह 31 फीसदी की वृद्धि है। शेयर बाजारों से आकर्षण रिटर्न की वजह से डीमैट खातों की संख्या बढ़ रही है। इसके अलावा जनवरी में नए खुलने वाले खातों की संख्या इससे पिछले चार माह से अधिक रही है। हालांकि यह अब भी 2021-22 के औसत रनरेट 29 लाख से कम है। एक विश्लेषण के अनुसार नए खुलने वाले खातों की संख्या जनवरी में 22 लाख रही। दिसंबर में यह 21 लाख और सितंबर, अक्टूबर और नवंबर में 20-20 लाख रही थी। आंकड़ों के अनुसार जनवरी में डीमैट खातों की संख्या बढ़कर 11 करोड़ हो गई। जनवरी, 2022 में यह आंकड़ा 8.4 फीसदी था। सालाना आधार पर डीमैट खातों की संख्या 31 फीसदी बढ़ी है।

अडानी एंटरप्राइजेज को 820 करोड़ का मुनाफा

- कंपनी के शेयर में 7 फीसदी की तेजी दर्ज की गई

नई दिल्ली । (एजेंसी)

अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी इंटरप्राइजेज के तीसरे तिमाही के पे रिणाम आ गए हैं। अडानी इंटरप्राइजेज का मुनाफा 800 करोड़ रुपए से ज्यादा देखने को मिला है, जो एक साल पहले 12 करोड़ रुपए के नुकसान पर था। वहीं रेवेन्यू में भी 42 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। कंपनी के शानदार नतीजों की वजह से कंपनी के शेयर में 7 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। अडानी एंटरप्राइजेज ने दिसंबर तिमाही में 820 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया, जबकि एक साल पहले 11.63 करोड़ रुपए का नेट लॉस देखने को मिला था। वहीं ऑपेरेशनल रेवेन्यू में करीब 42 फीसदी का उछाल देखने को मिला है जोकि 26,612.23 करोड़ रुपए हो गया है। कंपनी ने कहा कि कंसोलिडेटिड ऑपेरेशनल प्रॉफिट, इंट्रस्ट, टैक्स, डेप्रिसिएशन और एबिट्डा से पहले की कमाई के रूप में की गई कैलकुलेशन साल में दोगुनी होकर 1,968 करोड़ रुपए हो गई। इंटिग्रेटिड रिसॉर्स मैनेजमेंट बिजनेस ने रेवेन्यू में 38 फीसदी की वृद्धि के साथ 17,595 करोड़ रुपए की सूचना दी है, जबकि माइनिंग कारोबार की बिक्री लगभग 3 गुना बढ़कर 2,044 करोड़ रुपए हो गई। न्यू एनर्जी इकोसिस्टम बिजनेस रेवेन्यू दोगुना से अधिक बढ़कर 1,427.40 करोड़ रुपए हो गया। हवाई अड्डों के कारोबार में भी रेवेन्यू दोगुना होकर 1,733 करोड़ रुपए हो गया। न्यू एनर्जी में कंपनी ने सोलर मॉड्यूल के वॉल्यूम में 430 मेगावाट की वृद्धि देखने को मिली। माइनिंग कारोबार में प्रोडक्शन का वॉल्यूम 6.2 मिलियन टन देखने को मिला। इंटिग्रेटिड रिसॉर्स मैनेजमेंट बिजनेस का वॉल्यूम तीसरी तिमाही में सालाना 8 फीसदी बढ़कर 15.8 मिलियन टन हो गई।

फोनपे ने 10 करोड़ डॉलर जुटाए

मुंबई । (एजेंसी)

वालमार्ट के स्वामित्व वाली फिनटेक फर्म फोनपे ने 12 अरब डॉलर के प्री-मनी वैल्यूएशन रिबिट कैपिटल, टाइगर ग्लोबल और टीवीएस कैपिटल फंड से प्राथमिक पूंजी में 10 करोड़ डॉलर जुटा लिए हैं। यह नया निवेश हाल ही में पूरी हुई 35 करोड़ डॉलर की प्राथमिक रकम जुटने की कवायद के बाद किया गया है। सूत्रों के अनुसार रिबिट कैपिटल और टीवीएस कैपिटल नए निवेशक हैं। यह रकम ऐसे समय में जुटाई जा रही है, जब स्टार्टअप कंपनियों को फंडिंग की कमी और विस्तृत आर्थिक अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। फोनपे भारत में अपने भुगतान और बीमा कारोबारों को बढ़ाने के लिए इस रकम का इस्तेमाल करने की योजना बना रही है। वह अगले कुछ साल में ऋण देने, स्टॉकब्रोकिंग, ओएनडीसी पर आधारित खरीदारी और खाता एग्रीगेटर जैसे नए कारोबारों की शुरुआत करेगी और उन्हें जोरदार तरीके से बढ़ाएगी। फोनपे के मुख्य कार्याधिकारी और संस्थापक समीर निगम ने कहा कि हम मौजूदा और नए दोनों तरह के अग्रणी वैश्विक निवेशकों का बड़ा समूह पाकर गौरवान्वित अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत में बड़े स्तर पर वित्तीय और डिजिटल समावेशन के लिए बड़े प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म बनाने के हमारे कार्यक्रम में उन्हें विश्वास है।

फोनपे ने भारत में स्थानांतरण के बाद रकम जुटाने की अपनी हालिया कवायद की शुरुआत एक अरब डॉलर तक की रकम जुटाने के लक्ष्य के साथ की है।

बेहद मुश्किल दौर से गुजर रही है वैश्विक अर्थव्यवस्थाः आईएमएफ चीफ

वाशिंगटन । (एजेंसी)

विश्व की जानी मानी अर्थशास्त्री और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा का कहना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अभी भी कई तरह के दबाव झेल रही है। हालांकि कई देशों में ग्लोबल इंफ्लेशन यानी विश्व महंगाई का असर जरूर कम देखने को मिला है लेकिन ग्लोबल इकॉनमी अभी भी मुश्किल के दौर से गुजर रही है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था अभी भी संकट के दौर में है। कोरोना के बाद स्थिति में सुधार जरुर हुआ है लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था अभी भी संकट के दौर में है। चालू वर्ष 2023 में वैश्विक विकास यानी ग्लोबल ग्रोथ स्लो हो रहा है लेकिन यह एक अहम मोड़ साबित हो सकता है। फ्लेक्सिबिलिटी को बढ़ाने और उतार-चढ़ाव को बेहतर तरीके से सभी संभालने के लिए अधिकारियों को ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष चीफ जॉर्जीवा ने कहा कि दुनिया के कई देश महंगाई की मार से बाहर आ रहे हैं। 2023 में अनुमानित 2.9 प्रतिशत जीडीपी की वृद्धि भी तुलनात्मक रूप से 0.2 प्रतिशत से ज्यादा है। बावजूद इसके यह पिछले साल 2022 में 3.4 प्रतिशत के मुकाबले कम है। गौरतलब है कि कई देशों में बढ़की महंगाई, ब्याज दरें, खाद्य और ऊर्जा की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि, ग्लोबल वार्मिंग, स्लो डेवलपमेंट और मंदी ने समस्याएं खड़ी कर दी हैं। इसके साथ ही बढ़ती कीमतों के कारण से वैश्विक केंद्रीय बैंकों ने अपनी मॉनेटरी पॉलिसी को काफी सख्त कर दिया है।

टाटा समूह सबसे बड़े विमानन सौदों को तैयार, एयरबस से 250 विमान खरीदेगा

नई दिल्ली। (एजेंसी)

टाटा समूह अपने बेड़े के आकार और संचालन का विस्तार करने के लिए सबसे बड़े विमानन सौदों में से एक में एयरबस से 250 विमान खरीदेगा। इस सौदे में 40 ए350 चौड़े और लंबी दूरी के विमान और 210 संकीर्ण आकार के विमान शामिल हैं। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा कि एयर इंडिया ने एयरबस से 250 विमान हासिल करने के आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।इसमें 40 वाइड-बॉडी ए350 प्लेन और 210 नैरो-बॉडी एयरक्राफ्ट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस परियोजना में बहुत सारी भावनाएं शामिल हैं। एक अरब लोग चाहते हैं कि एयर इंडिया बहुत सफल हो। इससे पहले 27 जनवरी को एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने कर्मचारियों को भेजे पत्र में एयरलाइन के आगामी बेड़े विस्तार योजना के बारे में बात की थी। सूत्रों के अनुसार, यह 495 जेट के कुल ऑर्डर का लगभग आधा है, जिसे एयरलाइन ने आने वाले हफ्तों में विमानन बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने की योजना बनाई है। एयर इंडिया के आने वाले हफ्तों में एक और ऑर्डर देने की संभावना है, जिसमें 190 बोइंग 737 मैक्स विमान, 20 बोइंग 787 और 10 बोइंग 777एक्स विमान शामिल हो सकते हैं। सरकार के स्वामित्व वाले उद्यम के रूप में 69 वर्षों के बाद, जनवरी 2022 में एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस का टाटा समूह में वापस स्वागत किया गया। एयर इंडिया में वर्तमान प्रबंधन विहान.एआई के तत्वावधान में पांच साल के परिवर्तन रोडमैप को चला रहा है ताकि खुद को भारतीय दिल के साथ एक विश्व स्तरीय वैश्विक एयरलाइन के रूप में स्थापित किया जा सके। नवंबर, 2022 में, सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) और टाटा संस (टाटा) ने एयर इंडिया और विस्तारा को विलय करने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें एसआईए ने लेनदेन के हिस्से के रूप में एयर इंडिया में 20,585 मिलियन रुपये (250 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का निवेश किया। एकीकरण के साथ, एयर इंडिया पूर्ण सेवा और कम लागत वाली यात्री सेवाओं दोनों को संचालित करने वाला एकमात्र भारतीय एयरलाइन समूह बन गया। यह अपने मार्ग नेटवर्क और संसाधनों के उपयोग को अनुकूलित कर सकता है, बाजार के क्षेत्रों में मांग को पकड़ने में लचीला और चुस्त हो सकता है,>

भारत ऑस्ट्रेलिया दूसरे टेस्ट के सभी टिकट बिके

नई दिल्ली । एक ओर जहां दुनिया भर में टेस्ट क्रिकेट का क्रेज कम हो रहा है। वहीं भारत में हालात ऐसे नहीं हैं। इसका अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार से नई दिल्ली में होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए सभी टिकट बिक गये हैं। ऐसे में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा टेस्ट प्रशंसकों से भरे स्टेडियम में खेला जाएगा। दिल्ली में साल 2017 के बाद पहली बार टेस्ट मैच हो रहा है। इस कारण भी लोगों में जबरदस्त उत्साह है। भारतीय टीम इस सीरीज में अभी 1-0 से आगे है। उसने नागपुर में खेले गये पहले टेस्ट मैच को तीन दिनों के अंदर ही जीतकर चार मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के संयुक्त सचिव राजन मनचंदा ने कहा, ''सभी टिकट बिक गये हैं और हम मैदान के खचाखच भरे रहने की उम्मीद कर रहे हैं। मैच को लेकर काफी उत्साह है क्योंकि दिल्ली में लंबे समय बाद टेस्ट मैच खेला जाएगा।'' गौरतलब है किअरुण जेटली स्टेडियम में 40,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता है। इस मैच के लिए 24,000 टिकट बिक्री के लिए रखे गए जबकि 8000 टिकट डीडीसीए सदस्यों के बीच वितरित किए गए, जो कि सामान्य है। शेष सीटों का उपयोग खेल में भाग लेने वाले गणमान्य व्यक्तियों के लिए किया जाएगा।

मुख्य चयनकर्ता चेतन शर्मा की कुर्सी खतरे में पड़ी , जय शाह करेंगे फैसला

टीम की बातें सार्वजनिक करने के आरोप

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता चेतन शर्मा की कर्सी खतरे में पड़ गयी है। चेतन शर्मा पर आरोप है कि वह टीम की अंदर की बातों को भी बातचीत के दौरान सर्वजनिक कर देते हैं। माना जा रहा है कि इस मामले में अब बोर्ड सचिव जय शाह ही उनको लेकर कोई फैसला करेंगे हालांकि जिस प्रकार का माहौल है उसमें उनके पद पर बने रहने की संभावना कम ही है क्योंकि कप्तान सहित अन्य खिलाड़ी इस प्रकार के मुख्य चयनकर्ता को नहीं चाहेंगे जो बातों को सार्वजनिक करें। हाल में चेतन ने एक एक चैनल से बातचीत के दौरान कहा कि कप्तान रोहित शर्मा उनसे फोन पर काफी बात करते रहते हैं। इसके अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या, उमेश यादव , दीपक हुड्डा सहित कई खिलाड़ी उनसे मिलने आते रहते हैं। इसके साथ ही उन्होंने पूर्व कप्तान विराट कोहली और तेज जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों पर गंभीर आरोप लगाये हैं। उन्होंने बातचीत के दौरान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और विराट कोहली के साथ हुई बातों को भी सामने रखा। चेतन ने कहा कि कई खिलाड़ी पूरी तरह से फिट नहीं होने के बाद भी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में जल्द वापसी के लिए इंजेक्शन लेते हैं। जिससे टीम को नुकसान होता है। भारत के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए बुमराह की वापसी को लेकर वह टीम प्रबंधन से सहमत नहीं थे। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व कप्तान विराट कोहली और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली के बीच भी मतभेद थे। अब कहा जा रहा है कि बीसीसीआई ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया है क्योंकि यह चयन समिति के प्रमुख से जुड़ा है। वैसे भी राष्ट्रीय चयनकर्ता अनुबंध से जुड़े होते हैं और उन्हें मीडिया से बात करने की अनुमति नहीं होती है , ऐसे में चयन समिति के अध्यक्ष से उम्मीद की जाती है कि वे पद की गरिमा को बनाये रखे।

पहली बार तीनो प्रारुपों में नंबर एक बनी टीम इंडिया

दुबई ।

भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी है। यह पहली बार है जब भारतीय टीम खेल के तीनों ही प्रारुपों में शीर्ष पर पहुंची है। इससे पहले भारतीय टीम एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय में शीर्ष स्थान पर थी। भारतीय टीम को पहले ही टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली बड़ी जीत का लाभ मिला है। इससे मिले अंकों के साथ ही भारतीय टीम के अब टेस्ट रैंकिंग में 115 रेटिंग अंक हो गये ओर वह ऑस्ट्रेलिया से आगे निकल गयी। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम के 111 रेटिंग अंक है और वह दूसरे नंबर पर खिसक गयी है। वहीं इंग्लैंड की टीम 106 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड 100 रेटिंग अंक और दक्षिण अफ्रीका 85 अंक के साथ ही चौथे और पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। भारतीय टीम के तीनों ही प्रारुपों में शीर्ष पर पहुंचने से प्रशंसकों की खुशी का ठिकाना नहीं है। वे इसका काफी लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। भारतीय टीम अबतक एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में शीर्ष पर कायम है। एकदिवसीय टीम रैंकिंग की बात करें तो भारतीय टीम 114 रेटिंग के साथ शीर्ष पर कायम है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 112 रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई है। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के संयुक्त रूप से 111 रेटिंग है और यह टीमें तीसरे व चौथे स्थान पर कायम हैं। वहीं पाकिस्तान की टीम 106 रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर बनी हुई है। भारतीय टीम टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम रैंकिंग में भी नंबर-1 पर बनी हुई है भारतीय टीम के 267 रेटिंग अंक हैं। वहीं दूसरे नंबर पर चल रही इग्लैंड के 266 रेटिंग अंक हैं जबकि पाकिस्तान की टीम 258 रेटिंग अंक के साथ तीसरे स्थान पर काबिज है। दक्षिण अफ्रीका 256 और न्यूजीलैंड 252 अंक लेकर चौथे व पांचवें स्थान पर हैं। भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव टी20 के नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। सूर्या ने पिछले एक साल में इस प्रारुप में सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज हाल में किये शानदार प्रदर्शन की बदौलत एकदिवसी में नंबर एक बल्लेबाज बन गये हैं।

दोहा में डब्लयूटीए कतर ओपन टेनिस में खेलती हुई पैट्रा कवीटोवा।

महिला टी20 विश्व कप : लेनिंग की शानदार पारी से ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया

गक्बेरहा (दक्षिण अफ्रीका)।

लेग स्पिनर जॉर्जिया वेयरहैम की शानदार गेंदबाजी और कप्तान मेग लेनिंग की अच्छी बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने टी20 महिला विश्व कप में बांग्लादेश को 8 विकेट से हराकर शीर्ष पर स्थान बनाया है। लेनिंग ने एक साल से अधिक समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करते हुए तीन विकेट लिए जबकि लेनिंग ने नाबाद 48 रन बनाये। इससे गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने महिला टी20 विश्व कप में बांग्लादेश को आठ विकेट से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने इस प्रकार इस टूर्नामेंट के लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। इससे टीम ग्रुप एक में बेहतर नेट रन रेट के कारण श्रीलंका को पीछे छोड़कर शीर्ष पर पहुंच गई है। इस मैच में बेयरहैम के अलावा डार्सी ब्राउन ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 23 रन देकर दो विकेट लिए। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम ने सात विकेट पर 107 रन बनाये। बांग्लादेश की ओर से कप्तान निगार सुल्ताना ने सबसे ज्यादा 57 रन बनाये। इसके अलावा सिर्फ शोर्ना अख्तर ने 12 रन बनाये। अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पायीं और सस्ते में ही आउट हो गयीं। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की ओर से लेनिंग ने नाबाद 48 और सलामी बल्लेबाज एलीसा हीली ने 37 रन बनाकर अपनी टीम को 18.2 ओवर में ही दो विकेट पर 111 रन बनाकर जीत दिला दी। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने तीसरे ओवर में ही बेथ मूनी का विकेट खो दिया। मूनी 2 रन ही बना पायीं। इसके बाद लेनिंग और एलीसा ने दूसरे विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी कर पारी संभाली। एलीसा के आउट होने के बाद भी लेनिंग जमीं रहीं और उन्होंने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

संक्षिप्त समाचार

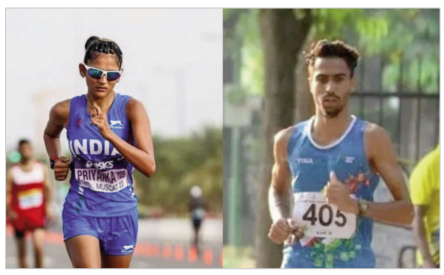

अक्षदीप और प्रियंका ने ओलंपिक और विश्व एथलेटिक्स के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली । पंजाब के अक्षदीप सिंह और पैदल चाल की महिला एथलीट प्रियंका गोस्वामी ने रांची में राष्ट्रीय पैदल चाल चैंपियनशिप में 20 किलोमीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर विश्व चैंपियनशिप और पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई किया है। अक्षदीप और प्रियंका ने सबसे पहले यह उपलब्धि हासिल की है। अक्षदीप ने अपनी इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वह भारतीय सेना में भर्ती होने के लिए ही वह खेलों से जुड़े थे। 23 वर्षीय अक्षदीप ने यह उपलब्धि हासिल करने के बाद कहा, 'मेरे पिता छोटे स्तर के किसान हैं और मेरी मां गृहिणी है। हमारे पास छोटा सा खेत है जिसमें मेरे पिता अनाज उगाते हैं। जब मैं छोटा था तो अपने पिता के काम में हाथ बंटाता था। हमारे घर में दो भैंसे हैं इस कारण मैं काफी दूध पीता हूं।' उन्होंने कहा, 'मेरे पिता बड़ी मुश्किल से घर का खर्च और मेरी पढ़ाई का खर्च उठाते थे। इसलिए वह चाहते थे कि मैं सेना में भर्ती हो जाऊं। इसके लिए उन्होंने मुझे खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।' उसी का परिणाम है कि मैं आज यहां पहुंचा हूं।

100 या इससे अधिक टेस्ट मैच खेलने वाले 13वें भारतीय क्रिकेटर बनेंगे

(नई दिल्ली) दूसरे टेस्ट के लिए मैदान में उतरने के साथ ही पुजारा हासिल करेंगे अहम उपलब्धि

नई दिल्ली । टीम इंडिया के टेस्ट विशेषज्ञ बल्लेबाज के रुप में लोकप्रिय चेतेश्वर पुजारा शुक्रवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए मैदान में उतरते ही एक अहम उपलब्धि हासिल करेंगे। यह पुजारा का 100वां टेस्ट मैच होगा और इसी के साथ ही वह 100 या इससे अधिक टेस्ट मैच खेलने वाले 13वें क्रिकेटर बन जाएंगे। उनके 100वें टेस्ट मैच का साक्षी बनने के लिए उनका परिवार भी स्टेडियम में मौजूद रहेगा। पुजारा ने कहा,'' हां, यह मेरा 100वां टेस्ट मैच होगा पर तब भी आपको टीम के लिए भूमिका निभानी पड़ेगी और उसी पर अधिक ध्यान देना होगा क्योंकि हम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिहाज से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महत्वपूर्ण श्रृंखला खेल रहे हैं।'' पुजारा ने 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। पुजारा ने कहा कि वह अभी अन्य बातों पर ध्यान देने की जगह वर्तामान में बने रहना चाहते हैं। इसके अलावा वह उम्र को लेकर चल रही बातों पर भी ध्यान नहीं देना चाहते हैं। पुजारा अभी 35 साल के हो गये हैं। इस बल्लेबाज ने कहा कि उन्होंने संन्यास के बारे में अभी विचार नहीं किया है। पुजारा ने कहा,'' मैं अभी अपने लिए कोई लक्ष्य तय नहीं करना चाहता हूं। मैं वर्तमान पर ही ध्यान देना रहना चाहता हूं। मैं कितने समय तक खेलूंगा के बारे में सोचने के बजाय मैं एक बार में एक मैच पर ही ध्यान देना चाहता हूं।'' उन्होंने कहा,'' खेल का आनंद उठाना अहम होता है। अभी अपने खेल के चरम पर रहना मेरे लिए सबसे जरुरी है साथ ही कहा कि जब आप अपना योगदान देने में सक्षम नहीं रहते या अपनी योग्यता के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं तो आप अपने अगले कदम के बारे में विचार कर सकते हैं। मैं अभी 35 साल का हूं और अभी मेरे पास कुछ और समय है।''

आरसीबी ने सानिया को बनाया महिला क्रिकेट टीम का मेंटर

टेनिस स्टार ने कहा खुशी का अनुभव कर रही हूं

बेंगलुरू ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल 2023) के लिए टेनिस स्टार सानिया मिर्जा को टीम की मेंटर बनाकर सबको हैरान किया है। फ्रैंचाइजी के अनुसार 6 ग्रैंड स्लैम विजेता सानिया आरसीबी प्ले बोल्ड दर्शन के लिए सबसे बेहतर क्योंकि क्रिकेट हो या टेनिस एथलीट एक ही तरह से बनते हैं, जमकर प्रतिस्पर्धी होते हैं, अपने खेल से प्यार करते हैं और अपने खेल में दबाव की स्थिति का डटकर सामना करते हैं। इसके साथ ही महिलाओं के लिए अग्रणी रोल मॉडल के तौर पर भी उनके वैश्विक कद को देखते हुए भी आरसीबी टीम प्रबंधन ने महिला टीम को प्रेरित करने और प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें ऑनबोर्ड करने के लिए प्रेरित किया। वहीं मेंटर के रूप में सानिया की नियुक्ति पर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के प्रमुख और उपाध्यक्ष राजेश वी मेनन ने कहा, हम सानिया का आरसीबी महिला टीम के मेंटर के रूप में स्वागत करते हुए खुश और सम्मानित महसूस कर रहे हैं। वह अपने खेल करियर में कई चुनौतियों के बाद भी अपनी कड़ी मेहनत, जुनून और दृढ़ संकल्प से उपजी सफलता के साथ एक आदर्श रोल मॉडल हैं। उन्होंने कहा, सानिया वह है जिसे हमारी युवा पीढ़ी देखती है और वह हमारी टीम को प्रेरित और प्रोत्साहित कर सकती है क्योंकि वह खुद एक प्रतिस्पर्धी खिलाड़ी रही है जो खेल के उच्चतम स्तर पर विभिन्न परिस्थितियों में चुनौतियों को दूर करने और दबाव को संभालने के तरीके को समझती है। उनका कद और गंभीरता के साथ-साथ उनका रवैया टीम को एक बोल्ड व्यक्तित्व के साथ बदलने के लिए प्रेरित करेगा। वहीं सानिया ने आरसीबी महिला टीम की मेंटर के रूप में अपनी नई भूमिका को लेकर कहा, आरसीबी महिला टीम में मेंटर के रूप में जुड़ना मेरे लिए खुशी और सम्मान की बात है। भारतीय महिला क्रिकेट ने महिला प्रीमियर लीग के साथ एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा है, और मैं वास्तव में इस क्रांतिकारी पिच का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हूं। आरसीबी और इसका ब्रांड दर्शन पूरी तरह से मेरी दृष्टि और दृष्टिकोण के साथ प्रतिध्वनित होता है क्योंकि मैंने अपने खेल के करियर को इसी तरह से आगे बढ़ाया है और मैं अपनी सेवानिवृत्ति के बाद खेलों में कैसे योगदान देती हूं। आरसीबी पिछले कुछ वर्षों में आईपीएल में एक लोकप्रिय टीम और बहुत अधिक फॉलो की जाने वाली टीम रही है।

महिला टी20 विश्व कप : आचारसंहित उल्लंघन के लिए श्रीलंकाई क्रिकेटर अनुष्का पर जुर्माना

केप टाउन । श्रीलंकाई महिला क्रिकेटर अनुष्का संजीवनी पर आईसीसी महिला टी20 विश्व कप टूर्नामेंट में आचारसंहित उल्लंघन के लिए जुर्माना लगा है। इस मैच में श्रीलंकाई टीम को सात विकेट से जीत मिली। अनुष्का पर बांग्लादेश के खिलाफ ग्रुप 1 मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन का आरोप है। इसके लिए उनपर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इस महिला क्रिकेटर को आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करते पाया गया, जो किसी भी भाषा, क्रिया या हावभाव का उपयोग करने से संबंधित है जिससे बल्लेबाज को भड़काया जा सके। इसके अलावा श्रीलंकाई क्रिकेटर के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्मक अंक जोड़ा गया है जिसके लिए 24 महीने की अवधि में यह पहली गलती है। यह मामला बांग्लादेश की पारी के 10वें ओवर का है। तब बांग्लादेश की सोभना मोस्टरी के आउट होने पर अनुष्का जश्न में बंधी मुट्ठियों के साथ बल्लेबाज की ओर आक्रामक रूप से दौड़ी। अनुष्का ने अपराध स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी के अमीरात आईसीसी इंटरनेशनल पैनल के जीएस लक्ष्मी द्वारा प्रस्तावित सजा को भी स्वीकार कर लिया। इस कारण उनके खिलाफ कोई औपचारिक सुनवाई नहीं हुई। उनपर मैदानी अंपायर अन्ना हैरिस और सू रेडफर्न, तीसरे अंपायर जैकलीन विलियम्स और चौथे अंपायर किम कॉटन ने आरोप लगाए थे। गौरतलब है कि लेवल 1 के उल्लंघन पर कम से कम आधिकारिक फटकार, खिलाड़ी की मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना और एक या दो नकारात्मक अंक का प्रावधान है।

राष्ट्रमण्डल खेलों के पदक विजेताओं को अब इनाम देगी हिमाचल सरकार

शिमला । हिमाचल प्रदेश सरकार गत वर्ष राष्ट्रमण्डल खेलों में पदक विजेता रहे प्रदेश के तीन खिलाड़ियों को इनाम देगी। इसके तहत क्रिकेटर रेणुका ठाकुर और वेटलिफ्टर हमीरपुर के विकास ठाकुर को 30-30 लाख रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा आशीष चौधरी को 3 लाख रुपए का ईनाम दिया जाएगा। गौरतलब है कि बर्मिंघम राष्ट्रमण्डल खेलों 2022 में भारत को रजत पदक जिताने वाले 2 खिलाड़ियों में रेणुका व विकास ठाकुर शामिल थे। रेणुका ने तब भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए रजत पदक भी जीता था। इसके अलावा हमीरपुर के विकास ठाकुर ने 96 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 346 किलोग्राम उठाकर रजत पदक जीता था। आशीष चौधरी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे।

ऋषभ ने बच्चों के भेजे विशेष उपहार के साथ साझा की तस्वीर

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कार हादसे के बाद से ही अस्पताल में हैं और तेजी से उबर रहे हैं। ऋषभ की कार दिसंबर के अंत में एक डिवाइडर पर टकरा गयी थी। इस घटना में वह गंभीर रुप से घायल हुए थे और इस कारण उनके घुटने की भी तीन सर्जरी हुई हैं। इस आक्रामक क्रिकेटर के प्रशंसक उसकी जल्द से जल्द मैदान में वापसी चाहते हैं और इसी कारण उसके लिए दुआएं कर रहे हैं। बच्चों ने इस क्रिकेटर को वैलेंटाइन डे के अवसर पर खास उपहार भेजा है जिसकी तस्वीरें भी उन्होंने साझा की हैं। ऋषभ ने बच्चों से मिले प्यारे तोहफे की झलक साझा करते हुए इस तस्वीर को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया। इसी के साथ ही उन्होंने लिखा, जिस तरह से बच्चों ने अपना प्यार साझा किया है वह हैरान करने वाला है। इस बल्लेबाज ने कुछ बच्चों द्वारा बनाए गए पोस्टर दिखाए जिसमें उनकी दिल्ली कैपिटल्स की जर्सी का एक चित्र, एक पानी की बोतल जिसमें उनके नाम के पहले अक्षर, आरपी 17 और एक प्यारा संदेश के साथ एक स्पाइडरमैन बना हुआ था। नोट में लिखा था, प्रिय ऋषभ, आशा है कि आप बेहतर महसूस कर रहे हैं। मेरी पसंदीदा चीजें साझा करना, प्यार। गौरतलब है कि ये क्रिकेटर स्पाइडरमैन के रूप में भी अपने प्रशंसकों के बीच काफी प्रसिद्ध हैं। इसका कारण यह है कि प्रतिष्ठित गाबा टेस्ट के दौरान जब ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर गेंदबाजी कर रहे थे, ऋषभ ने प्रसिद्ध भारतीय स्पाइडरमैन गीत, स्पाइडरमैन स्पाइडरमैन को गुनगुनाना शुरू कर दिया था। स्टंप माइक ने इसे स्पष्ट रूप से रिकॉर्ड किया और उस मैच में पंत और टिम पेन के बीच नोकझोंक भी हो गई थी। इस कारण ऋषभ ने वह गाना गाना शुरू कर दिया और तभी से ऋषभ स्पाइडरमैन के नाम से बच्चों के बीच लोकप्रिय हो गये। हाल के दिनों में जिस प्रकार वह तेजी से उबर रहे हैं उससे उम्मीद की जा रही है कि यह आक्रामक बल्लेबाज शीघ्र मैदान में उतरेगा।

बेंगलुरु ओपन : लोकल ब्वॉय प्रज्वल देव को मिला वाइल्ड कार्ड

बेंगलुरु, कर्नाटक के स्टार एसडी प्रज्वल देव को एकल मुख्य ड्रा में वाइल्ड कार्ड दिया गया है, जबकि विंबलडन चैंपियन मैक्स परसेल 20 फरवरी से 26 फरवरी तक होने वाले बेंगलुरु ओपन 2023 में युगल की अगुआई करेंगे।नंबर 1 कर्नाटक टेनिस खिलाड़ी देव एटीपी चैलेंजर इवेंट के पांचवें सीजन में सुमित नागल के बाद वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए, जो कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन (केएसएलटीए) द्वारा बेंगलुरु के केएसएलटीए स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट निदेशक और केएसएलटीए के संयुक्त सचिव यजमान ने कहा, बेंगलुरु ओपन में भारतीय उपस्थिति को देखना हमेशा अच्छा होता है। यह हमारा टूर्नामेंट है और भारतीय खिलाड़ियों के लिए एक मंच है। हमने हमेशा इस आयोजन के माध्यम से भारतीय प्रतिभा का समर्थन और आगे बढ़ाया है। युगल ड्रा में भारतीय नाम जिसमें विंबलडन चैंपियन भी शामिल है। उन्हें देखकर खुश हूं। यह टूर्नामेंट की उच्च गुणवत्ता को दर्शाता है। हमारे युगल खिलाड़ियों ने हमेशा यहां यादगार प्रदर्शन किए हैं और मुझे विश्वास है कि वह आगे भी इसे जारी रखेंगे। पिछले साल आईटीएफ स्पर्धाओं में दो बार उपविजेता रहे देव इस टूर्नामेंट में अपनी चौथी उपस्थिति के दौरान अपनी छाप छोड़ने के लिए उत्सुक होंगे। इस अवसर के बारे में बात करते हुए, मैसूर में जन्मे खिलाड़ी ने कहा, मैं बेंगलुरु ओपन 2023 में खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं। एक स्थानीय खिलाड़ी होने के नाते, यह व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। मुझे यह अवसर देने के लिए मैं केएसएलटीए और आयोजकों को धन्यवाद देना चाहता हूं। पिछले साल आईटीएफ स्पर्धाओं में दो बार उपविजेता रहे देव इस टूर्नामेंट में अपनी चौथी उपस्थिति के दौरान अपनी छाप छोड़ने के लिए उत्सुक होंगे।

निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को अपनी बात तथ्यों के साथ रखनी चाहिए : लोकसभा अध्यक्ष

गांधीनगर । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज गांधीनगर में गुजरात विधानसभा के सदस्यों के लिए आयोजित संसदीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल,गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर श्री बिरला ने कहा कि गुजरात की 15वीं विधानसभा युवाशक्ति और अनुभव का अनूठा मेल है। अध्यक्ष महोदय ने इस बात पर भी प्रसन्नता व्यक्त की कि विधानसभा में 82 नवनिर्वाचित सदस्य हैं और 15 महिलाएँ निर्वाचित हुई हैं, जिनमें से 8 पहली बार सदस्य बनी हैं। निर्वाचित प्रतिनिधियों की भूमिका का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते उन पर मतदाताओं की समस्याओं के समाधान की बड़ी जिम्मेदारी है । इसलिए विधानमंडलों में चर्चा और संवाद होना चाहिए और चर्चा का स्तर उच्चतम स्तर का होना चाहिए। श्री बिरला ने कहा कि राज्य विधानसभाओं में चर्चा और संवाद का स्तर जितना ऊँचा होगा, क़ानून उतने ही बेहतर बनेंगे। सदन में सार्थक चर्चा करने के लिए यह आवश्यक है कि सदस्यों को नियमों और प्रक्रियाओं की जानकारी हो। इसलिए सदन को चर्चा और संवाद का एक प्रभावी केन्द्र बनना चाहिए, ताकि हमारा लोकतंत्र मज़बूत बने। पीठासीन अधिकारियों की भूमिका का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि पीठासीन अधिकारी का यह दायित्व है कि वह सदन की गरिमा बढ़ाने की दिशा में कार्य करें। सदनों में चर्चा के स्तर में गिरावट और सदन की गरिमा में गिरावट हमारे लिए चिंता का विषय है। एक उत्कृष्ट विधायक वही होता है, जो उत्कृष्ट गुणवत्तापूर्ण चर्चा और संवाद में भाग लेता है और सदन की प्रतिष्ठा को बढ़ाता है। सदस्यों को तथ्यों के साथ अपनी बात रखनी चाहिए, क्योंकि निराधार आरोपों पर आधारित तर्क लोकतंत्र को कमज़ोर करते हैं। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बिरला ने कहा कि विपक्ष की भूमिका सकारात्मक, रचनात्मक और शासन में जवाबदेही सुनिश्चित करने वाली चाहिए। लेकिन जिस तरह सुनियोजित तरीके से सदनों की कार्यवाही में बाधा डालकर सदनों का कार्य स्थगित करने की परंपरा डाली जा रही है, वह लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। सदन में चर्चा, वाद-विवाद, असहमति हो, लेकिन सदन में गतिरोध कभी नहीं होना चाहिए। उन्होंने सदस्यों से सदन के नियमों और प्रक्रियाओं और विगत वर्षों के वाद-विवाद का अध्ययन करने का आग्रह किया। श्री बिरला ने कहा कि सदस्य नियमों, प्रक्रियाओं और पिछले वर्षों में हुए वाद-विवाद से जितने अधिक परिचित होंगे, उनके भाषण उतने ही समृद्ध होंगे । श्री बिरला ने यह भी कहा कि नारे लगाने और विधानसभा की कार्यवाही में बाधा डालने से कोई भी श्रेष्ठ विधायक नहीं बन सकता । वन नेशन, वन डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप काम चल रहा है ताकि सभी राज्यों की विधानसभाओं और उनके द्वारा पारित कानूनों पर हुए वाद-विवाद और चर्चा को एक मंच पर लाया जा सके।

क्राइम ब्रांच ने 22.29 लाख एमडी ड्रग्स के साथ एक शख्स को किया गिरफ्तार

अहमदाबाद। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने शहर को वटवा क्षेत्र से एक शख्स को रु. 22.29 लाख के एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार शख्स से पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। शहर में एमडी ड्रग्स का चलन काफी बढ़ गया है कुकरमुत्तों की तरह ड्रग्स पेडलर्स पैदा हो गए हैं, जो शोर्टकट से रुपए कमाने का रास्ता अपना रहे हैं। एक पेडलर्स पकड़ा जाता है तो कई और पैदा हो जाते हैं। पूर्व सूचना के आधार पर अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने बीते दिन वटवा क्षेत्र से रु. 22.29 लाख ड्रग्स के साथ दबोच लिया। वटवा के बीबी तालाब के निकट से गिरफ्तार आरोपी महफूज उर्फ मुन्ना अब्दुल माजिद शेख वैसे तो एसी रिपेरिंग का काम करता है। करीब तीन महीने पहले महफूज सरखेज क्षेत्र में रहनेवाले फिरोजखान पठान के यहां एसी की रिपेरिंग करने गया था। जहां महफूज और फिरोजखान के बीच पहचान हुई थी और ड्रग्स को लेकर बातचीत भी हुई थी। जिसके पश्चात फिरोजखान पठान ने तीन महीने पहले महफूज को ड्रग्स सुखाने के लिए दिया था। महफूज से बरामद किया गया ड्रग्स वह फिरोजखान पठान से लाया था, जो फिलहाल जेल में बंद था। तीन महीने पहले जब फिरोजखान बाहर था तब उसने महफूज को ड्रग्स दिया था। फिरोजखान के खिलाफ 2022 में ड्रग्स का केस दर्ज हो चुका है। जबकि महफूज के खिलाफ 2014 में मारपीट का केस दर्ज हुआ था। फिलहाल पुलिस ने महफूज को गिरफ्तार कर उसके पास से बरामद ड्रग्स वह किसे सप्लाई करने वाला था, इसकी जांच शुरू की है। दूसरी ओर जेल में बंद फिरोजखान पठान को भी गिरफ्तार कर वह ड्रग्स किसके पास लाया था, इस दिशा में भी जांच शुरू की है।

18 फरवरी से डिंडोली स्थित श्री सोमेश्वर महादेव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

सूरत। महाशिवरात्रि के अवसर पर डिंडोली करड़वा रोड स्थित साईं विला रेजीडेंसी में श्री सोमेश्वर महादेव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया गया है। महोत्सव 17 फरवरी से शुरू होगा और 19 फरवरी को समाप्त होगा।

इसकी जानकारी देते हुए डॉ. अशोक पाटिल ने बताया कि साईं विला रेजीडेंसी में श्री सोमेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण किया गया है। इसके लिए तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया गया है। 17 फरवरी को सुबह 9 बजे शोभायात्रा निकलेगी। 18 फरवरी को सुबह आठ बजे मूर्ति स्थापना होगी और 19 फरवरी को दोपहर 12 से 4 बजे तक महाप्रसाद के साथ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन होगा।

रेल मंत्री समय-सारणीबद्ध एक्सप्रेस कार्गो ट्रेनों की तीन सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर करेंगे रवाना

अहमदाबाद । पीएम गति शक्ति कार्यक्रम को एक और बढ़ावा देते हुए भारतीय रेल द्वारा भारतीय डाक के सहयोग से रेल पोस्ट गति शक्ति एक्सप्रेस कार्गो सेवा के अंतर्गत एक नई संयुक्त पार्सल उत्पाद पहल टाइम टेबल्ड पार्सल सेवा की शुरुआत की जायेगी। इस दृष्टि से इस योजना के विस्तार के लिए देश भर में 15 मार्गों की पहचान की गई है। इन 15 मार्गों में से तीन मार्गों पर इन सेवाओं का 16 फरवरी, 2023 को 17.00 बजे हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया जायेगा। माननीय केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव सूरत-नारायणपुर अनंत के बीच समय-सारणीबद्ध कार्गो एक्सकप्रेस ट्रेनों की उद्घाटक सेवा को नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। रेल पोस्ट गति शक्ति एक्सप्रेस सेवा पहल के अंतर्गत टाइम टेबल्ड एक्सप्रेस कार्गो सेवा को पार्सलों के लॉजिस्टिक परिवहन के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने हेतु क्रियान्वित किया गया है। भारतीय रेल और भारतीय डाक के सहयोग से संयुक्त पार्सल उत्पाद को बिजनेस टू कंज्यूमर (बी2सी) और बिजनेस टू बिजनेस (B2C) मार्केट को लक्षित करने के लिए विकसित किया गया है। यह कम कीमत पर कन्सासइनमेंट को तेज गति से परिवहन करने पर केंद्रित है। यह पहल डाक विभाग के फर्स्ट माइल और लास्ट माइल कनेक्टिविटी लाभ और रेलवे के मिडिल माइल क्षमता का लाभ उठाकर एंड-टू-एंड लॉजिस्टिक समाधान प्रदान करने के लिए बजट घोषणा के अनुरूप है। यह उन्नत सुरक्षा के साथ डोर टू डोर अनुभव प्रदान करने में मदद करेगी। यह सेवा रेलवे द्वारा घरेलू कार्गो परिवहन की क्षमता को प्राप्त करने में मदद करेगी। यह एग्रीगेटर्स को किफायती कीमतों पर एंड-टू-एंड समाधान भी प्रदान करेगी और सड़क परिवहन की तुलना में कम समय में कन्साइनमेंट का परिवहन करेगी। यह सेवा विशेष रूप से ई-कॉमर्स कंपनियों, फार्मा कंपनियों, रेडीमेड कपड़ा कारखानों, इंजीनियरिंग सामान के निर्माताओं, मोटर वाहनों के पुर्जों, उपभोक्ता उत्पादों आदि के लिए विशेष रूप से लाभप्रद होगी। रेल पोस्ट गति शक्ति एक्सप्रेस सेवा को सबसे पहले पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर सूरत से प्रस्थाहन करने वाली पश्चिम रेलवे की ट्रेन संख्या 19045 ताप्ती गंगा एक्सप्रेस में शुरू किया गया था। यह योजना भारतीय रेलवे में अपनी तरह की पहली योजना थी और कन्साइनमेंट से लदी पहली पार्सल वैन 31 मार्च, 2022 को सूरत से वाराणसी के लिए रवाना हुई थी। समय-सारणीबद्ध एक्सप्रेस कार्गो सेवा की मुख्य विशेषताओं में ग्राहकों के परिसरों से पिक-अप और डिलीवरी, पैलेटाइजेशन, सेमी मैकेनाइज्ड हैंडलिंग, समय-सारिणीबद्ध सेवा और इंटीग्रेटेड पार्सल वे बिल शामिल है।

गुजरात की स्कूलों में गुजराती भाषा पढ़ाना अनिवार्य, वर्ना होगी कार्रवाई

अहमदाबाद। गुजरात की स्कूलों में राज्य की मातृभाषा नहीं पढ़ाने का विवाद अब तूल पकड़ने लगा है। इसे लेकर गुजरात सरकार भी स्पष्टता करनी पड़ रही है। अगर गुजरात की स्कूलों में गुजराती भाषा नहीं पढ़ाई गई तो कार्यवाही की जाएगी। इस मुद्दे पर गुजरात हाईकोर्ट के कड़े तेवर के बाद राज्य सरकार कड़ी कार्यवाही करने का फैसला किया है। दरअसल गुजरात के साहित्यकारों ने राज्य सरकार से पेशकश की थी कि राज्य स्कूलों में गुजराती भाषा नहीं पढ़ाई जाती। जिसे लेकर गुजरात हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई थी। जिसके बाद हाईकोर्ट ने केन्द्र सरकार को नोटिस जारी किया था। जनहित याचिका में आरोप था कि केन्द्रीय विद्यालयों में गुजराती भाषा नहीं पढ़ाई जाती। हाईकोर्ट ने गुजरात सरकार से सवाल किया कि गुजराती भाषा नहीं पढ़ाने वाली स्कूलों के खिलाफ क्या कार्यवाही की जा रही है। इस मामले को कोर्ट में पहुंचने के बाद गुजरात सरकार को भी सफाई देनी पड़ी। गुजरात सरकार के प्रवक्ता मंत्री ने कहा कि सरकार के आदेश के बावजूद कई प्राइवेट स्कूलों में बच्चों को गुजराती भाषा पढ़ाई नहीं जाती। अगर सरकार के आदेश की अवगणना की जाएगी तो उन स्कूलों में खिलाफ कार्यवाही की जाएगी, जो गुजराती भाषा नहीं पढ़ाती। उन्होंने कहा कि जो स्कूल में बच्चों को गुजराती भाषा नहीं पढ़ाएंगी उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। अंतिम सुनवाई में हाईकोर्ट के सवाल पर सरकार ने अपने जवाब में कहा कि गुजराती नहीं पढ़ानेवाली स्कूलों को नोटिस जारी किया गया है। राज्य की प्रत्येक स्कूल में गुजराती भाषा पढ़ाना अनिवार्य है। ऐसा नहीं करने वाली स्कूलों की एनओसी रद्द कर जाएगी। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट को बताया कि गुजराती भाषा में पढ़ाई नहीं करने वाली राज्य की 23 स्कूलों के खिलाफ कार्यवाही की गई है।

8 साल से वांटेड घरफोड चोर सूरत क्राइम ब्रांच के शिकंजे में

सूरत। पिछले 8 साल से पुलिस को चकमा दे रहे घरफोड़ चोर को सूरत क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी मुंबई से गाड़ी में चोरी के मकसद से आता और घटना को अंजाम देने के बाद अपने दो साथियों के साथ वापस मुंबई भाग जाता था। सूरत शहर घरफोड़ चोरी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए हरकत में आई क्राइम ब्रांच ने भूतकाल में हुई चोरी के मामले में फरार मुंबई के शख्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस पकड़ से बचने के लिए फरार आरोपियों की सूरत क्राइम ब्रांच ने एक लिस्ट बनाई थी। वर्ष 2015 में सूरत के रांदेर और उधना क्षेत्र में हुई चोरी के मामले में 8 साल से वांटेड आरोपी सूरत आनेवाला है। चोरी के लिए मुंबई से सूरत आनेवाले शख्स के बारे में क्राइम ब्रांच को खबर मिली और घरफोड़ चोर को गिरफ्तार कर लिया। 2015 रांदेर और उधना में घरफोड चोरियों को अंजाम देनेवाला सिंगर रूपसिंह उर्फ सिंधु राजुसिंह टांक उस वक्त पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था। आरोपी सिंगर टांक पिछले काफी समय से महाराष्ट्र के थाणे से गाड़ी में सूरत आता और घरफोड़ चोरी की घटना को अंजाम देकर मुंबई भाग जाता। चोरी करने के इरादे से आया आरोपी सिंगर टांक सूरत के भेस्तान क्षेत्र में शूअर पकड़ने के लिए रहता होने की खबर क्राइम ब्रांच को मिली थी। जिसके आधार पर सूरत क्राइम ब्रांच ने आरोपी सिंगर टांक को गिरफ्तार कर लिया। जबकि उसके दो साथी आजादसिंह और बलदेवसिंह नामक आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। घरफोड़ चोरी के मुख्य आरोपी सिंगर टांक को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा महत्वपूर्ण चैप्टर्स को पढ़ने के लिए आवश्य क टिप्सा एवं गाइड : हर्षित भारद्वाज

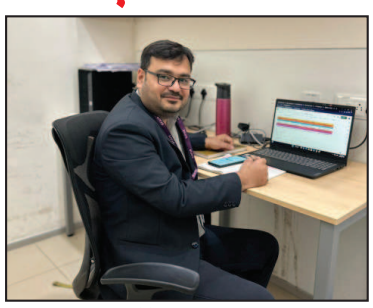

सूरत। "जल्द ही होने वाली 10वीं की 2023 सीबीएसई मैथ की परीक्षा में बैठने के रूप में, परीक्षा में शानदार परफॉरमेंस के सम्बन्ध में तनाव महसूस करना स्वाभाविक है। मैथमेटिक्स एक ऐसा विषय है जिसमें मास्टरी हासिल करने के लिए लगातार कोशिश और अभ्यास करते रहना अनिवार्य है। अगर आपको कुछ अवधारणाओं को समझने में कठिनाई हो रही है या यह विषय चुनौतीपूर्ण लग रहा है, तो डरने की ज़रूरत नहीं है। यह आलेख आपको 2023 सीबीएसई मैथ की परीक्षा में बढ़िया करने के लिए ज़रूरी टूल्स से लैस करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगा।"

तेजी से अपना रिविजन करते हुए अपनी क्षमता प्रकट करें : मैथ्स की परीक्षा होने तक के सीमित समय में अपनी तैयारी को ऑप्टिमाइज़ करना ज़रूरी है, और इसके लिए आप अपनी रोजाना पढ़ाई के घंटे बढ़ाएं तथा सिलेबस की व्यापक समझ हासिल करने का प्रयास करें। बेहतर है कि आप विशेषकर मैथमेटिक्स के लिए लगभग 2 घंटे का समय हर रोज लगायें। इस समय में सबसे ज्यादा संभावित टॉपिक्स को प्राथमिकता दे और उसके बाद कॉन्से प्ट को रिवाइज करें ताकि आप अपने फाइनल एग्जाम के दिन पूरे आत्मविश्वास से भरे रह सकें।

सही चैप्टर्स को समझ कर बड़ा स्कोर पाएं : मैथमेटिक्स के पाठ्यक्रम में 15 चैप्टर होते हैं, लेकिन सभी चैप्टर का एक समान महत्व नहीं होता है। मार्क्स के सन्दर्भ में नंबर सिस्टम्स, अलजेब्रा, ज्योमेट्री और ट्रिग्नोमेट्री, तथा मेन्सुरेशन का महत्व ज्यादा होता है और इस प्रकार स्टूडेंट्स के लिए इन टॉपिक्स की तैयारी पर ध्या,न देना बहुत ज़रूरी है। ऐसा करके, स्टूडेंट्स परीक्षा में सफलता की अधिकतम संभावना सुनिश्चित कर सकते हैं।

कुशल सहयोग के साथ अपनी क्षमताओं को बेहतर बनाएं : टीचर्स और मेंटर्स सबसे ज्यादा सपोर्ट और गाइडेंस दे सकते हैं। परीक्षा का दिन आने तक के इन अंतिम क्षणों में स्टूडेंट्स को किसी कठिन कॉन्सेतप्ट को स्पष्ट करने और जटिल समस्या ओं को हल करने के लिए अपने-अपने टीचर्स से मदद लेनी चाहिए।

पीवाईक्यू के माध्यम से बेजोड़ नतीजे : परीक्षा की तैयारी के क्रम में पिछले वर्षों के क्वेश्चन पेपर्स के माध्यम से तैयारी करने से टेस्ट में आने वाले संभावित प्रश्नोंक के प्रकार और पेपर की सामान्य बनावट के बारे में बहुमूल्यम जानकारी प्राप्त हो सकती है। इससे सुधार के लिए अपेक्षित विषयवस्तुओं को पहचानने और परीक्षा के दिन के लिये स्टूपडेंट्स को पर्याप्तो रूप से तैयार होने में भी मदद मिल सकती है।

मैथ कोड को क्रैक करें : विभिन्न फॉर्मूला और थ्योतरम को प्रभावकारी रूप से रिवाइज करने के लिए उनका लिखित रिकॉर्ड रखना बढ़िया रहता है। इसके अलावा, परीक्षा की तैयारी करते समय सामने आने वाले महत्वपूर्ण पॉइंट्स और टिप्स को नोट करते जाना फायदेमंद हो सकता है। खाली याद करने के बदले, प्रत्येक फॉर्मूला और थ्योटरम के बुनियादी सिद्धांतों को समझने की कोशिश करें। इससे आपको अलग-अलग तरह की स्थितियों में उनका प्रभावकारी प्रयोग करने में आसानी होगी।

नियोजन केमिकल्स ने वित्तीय वर्ष 23 की तीसरी तिमाही और 9 महीनों में स्वस्थ वित्तीय प्रदर्शन दिखाया

नियोजन केमिकल्स लिमिटेड (नियोजन) ने 31 दिसंबर 2022 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए मजबूत वित्तीय प्रदर्शन हासिल किया है। 9 महीनों के वाईटीडी में, कंपनी ने राजस्व में 46%, ईबीआईटीडीए में 32% और टैक्स के बाद लाभ (पीएटी) में 23त्न की वृद्धि हासिल की है।

FY23 के पहले नौ महीनों में, राजस्व रु. 482.3 करोड़ जो प्रमुख एंड-यूज़र उद्योगों से स्थिर मांग द्वारा संचालित संयंत्र उपयोग में वृद्धि से प्रेरित 46% वर्ष-दर-वर्ष की वृद्धि थी। हाई-मार्जिन इंटरमीडिएट्स और कस्टम सिंथेसिस मैन्युफैक्चरिंग बिजनेस के विस्तार के प्रयासों ने सकारात्मक परिणाम दिखाना शुरू कर दिया है।

FY23 के 9 महीनों में EBITDA रुपये था। 79.0 करोड़ जो कि कुछ कच्चे माल और उपयोगिताओं की बढ़ती लागत के बावजूद पिछले वर्ष की तुलना में 32% अधिक था, उत्पाद मिश्रण के अनुकूल प्रबंधन के कारण मजबूत EBITDA हासिल किया गया। प्रबंधन के हर विभाग में कार्यबल बढ़ाने की योजना के कारण कंपनी ने कुछ खर्चों जैसे कर्मियों के खर्च आदि में वृद्धि का अनुभव किया है। कंपनी ने एक स्वस्थ EBITD प्रदर्शन हासिल किया क्योंकि यह लिथियम कच्चे माल की कीमतों में महत्वपूर्ण लागत वृद्धि को ग्राहकों तक पहुँचाने में सक्षम थी। परिणामस्वरूप ईबीआईटीडीए सुरक्षित रहा।

FY23 के 9 महीनों के दौरान कर से पहले लाभ (PAT) रुपये था। 35.7 करोड़, जो रु. 29.0 करोड़ रुपये के मुकाबले 23% ऊपर था। पीएटी में वृद्धि परिचालन प्रदर्शन में परिलक्षित हुई, जिसका नई क्षमता में वृद्धि से जुड़े उच्च मूल्यह्रास के प्रभाव और उच्च ब्याज दरों के कारण उधार लागत में वृद्धि के कारण मामूली प्रभाव पड़ा। FY23 के 9 महीनों में प्रति शेयर आय (EPS) रु. 14.29 और FY22 के 9 महीनों में प्रति शेयर आय रु. 12.43 था।

NEOGEN CHEMICALS LTD.

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)